A Daily News Magazine
भोपाल
बुधवार, 26 मार्च, 2025

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 195, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

मणिपुर : बसें चलाने के साथ लोगों को जोड़ने की कोशिश भी हो

प्रवीण स्वामी

इम्फाल में राजभवन के करीने से तैयार किए गए लॉन पर जलते हुए कागज़ के टुकड़े घंटों तक गिरते रहे, सदियों के ज्ञान और साहित्य को समेटे कागज़ के इन जले हुए टुकड़ों से लॉन की घास पट गई। दो दशक पहले, अप्रैल के महीने में अपने होमलैंड से बांग्ला लिपि का नामोनिशान मिटा देने पर आमादा 'मैतेई एरोल एयेक लोइनासिल्लोल अपुंबा लुप' नाम के संगठन के कार्यकर्ता किरासन तेल से भरी बाल्टियों और दियासलाई लेकर आए थे और मणिपुर स्टेट सेंट्रल लाइब्रेरी को आग के हवाले कर दिया था। अनुमानतः 1 लाख 45 हज़ार किताबें उस लूटपाट और आगज़नी में खाक हो गईं, जिनमें कुछ अनमोल पांडुलिपियां भी थीं। इसके लिए किसी को सज़ा नहीं दी गई।

उन हमलों में जितनी जानें गईं, जिस तरह की बर्बर हिंसा हुई और 2023 से मणिपुर में जो जातीय नरसंहार चल रहा है, उनके मुकाबले लाइब्रेरी को आगे के हवाले करना तो मामूली वारदात है। इस महीने की शुरुआत में, केंद्र सरकार ने ऐसा दिखाने की कोशिश की कि वहां सब कुछ ठीक हो चुका है। उसने राज्य की जातीय संघर्ष से ग्रस्त इलाकों के बीच बस सेवाएं शुरू करने के आदेश दे दिए और हैरानी नहीं कि अमन-बसों के कारण और अधिक खूनखराबा हुआ। इस बीच जातीय गुटों के बीच संघर्ष जारी रहा। वास्तव में, ज़मीन ही एकमात्र सत्य है जिसे कोई महत्व दिया जा रहा है। इम्फाल के आसपास न्यू लंबूलें जैसे इलाकों, या कभी कुकी कुलीनों का घर रहे हाओकिप वेंग में पुराने महल के आसपास के घर बंद पड़े हैं। खतरा यह है कि मैतेई लड़ाके अरमबाई टेंगोल इन घरों पर कब्ज़ा कर लेंगे। इस बीच हज़ारों मैतेई बिष्णुपुर के शरणार्थी शिविरों में रह रहे हैं, कुकी-ज़ो बागियों के हमले के डर से उनकी ज़मीन और उनके घरों को खाली करा लिया गया है।

इसलिए, घर लौटने के लिए बस पकड़ने की सोचना भी बेकार और अपमानजनक है। इंफाल पर मानव विज्ञानी डंकन मैकडुइ-रा की किताब 'बॉर्डरलैंड सिटी इन न्यू इंडिया' हमें बताती है कि 1970 के दशक में कुछ समय के लिए इंफाल को शिलांग जैसा महानगरीय किस्म का बहुसांस्कृतिक शहर कहा जा सकता था। लाल-पीले रंग वाला घनाकार सिनेमाघर शंकर टॉकीज़ कभी वह ठिकाना था जहां सभी जातियों के निवासी हिंदी फिल्में देखने आते थे, लेकिन, 2000 वाले दशक के शुरू में मैतेई बागियों ने मैतेई मायेक भाषा और लिपि के इस्तेमाल को लागू करने के अपने कार्यक्रम के तहत हिंदी फिल्मों पर रोक लगाने का फरमान जारी कर दिया था।

अभी हाल तक शंकर टॉकीज़ की इमारत का इस्तेमाल 'स्पिरिट ऑफ फेथ चर्च' नामक प्रचार समूह कर रहा था, जो मैतेई लोगों को ईसाई बनाने की मुहिम चला रहा था। मणिपुर के न्यू थिएटर के एक नायक और शुरू में भारतीय सत्तातंत्र के खिलाफ बगावत करने वाले यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) के साथ रहे अरांबाम सोमोरेंद्र उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने रूपमहल थिएटर को विशेष दर्जा दिलाने में मदद की थी। टूट कर अलग हुए प्रतिद्वंद्वी गुट 'कांग्ले यवोल कन्ना लुप' के कादर ने 200 में सोमोरेंद्र की हत्या कर दी। 1990 वाले दशक में ज़्यादातर समय इम्फाल में कर्फ्यू लगा रहा, लेकिन भारत विरोधी बगावत करने वाले अरांबाम सोमोरेंद्र जैसे लोगों ने एक महानगरीय संस्कृति को आगे बढ़ाने वाले कुछ स्थानों की स्थापना में मदद की, जो जातीयता से ऊपर उठ सके। नई सहस्राब्दी के शुरू में इम्फाल में शीशे और इस्पात से बनी नई इमारतें बनने लगीं और वह एक शांत सूबाई शहर से आधुनिकता के प्रतीक के रूप में उभरने लगा। इस नई युवा संस्कृति ने जातीय पहचान की समस्या का समाधान करने की जगह उस पर पर्दा डाल दिया। मणिपुर को 1894 में ब्रिटिश साम्राज्य में शामिल किया गया था। इसके बाद इम्फाल के मैदानी इलाकों के मैतेई समुदाय और आसपास की पहाड़ियों में बसे लोगों के आपसी संबंधों में बदलाव आ गया। भारत के दूसरे क्षेत्रों की तरह मणिपुर के हिंदू शासक भी आदिवासी समुदायों के साथ लंबे समय से अपने गुलाम की तरह व्यवहार करते आ रहे थे। ब्रिटिश साम्राज्य ने गुलामी को तो खत्म कर दिया, लेकिन उसकी जगह बेगारी की प्रथा शुरू कर दी। दूसरे देसी शासकों की तरह मणिपुर के महाराजा ने भी 1914-18 के विश्वयुद्ध के दौरान सेवाएं देने के लिए नगाओं, लुशाई और मैतेई समुदायों से लोगों की भर्ती करवाई। औपनिवेशिक शासन के खिलाफ बड़े पैमाने पर अक्सर विद्रोह होते रहते थे। कुकी लोगों ने 1917 से 1919 के बीच अंग्रेज़ों के खिलाफ लंबा विद्रोह किया था। देश की आज़ादी के बाद भी इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया। भारत के खिलाफ बगावत करने वाले मैतेई समुदाय के करिश्माई हिजाम इराबोट सिंह जैसे नेताओं का मानना था कि एक नई, समाजवादी व्यवस्था स्थापित करने के लिए मणिपुर के सभी जातीय समुदायों का एक गठबंधन बनाना ज़रूरी है। शुरू के बागी गुटों ने मैदानी इलाकों से आकर वहां बसे मारवाड़ियों और बंगालियों को भी निकाल बाहर करने की मांग की थी। लेकिन बागी नेतृत्व एकजुट मणिपुर के अपने सपने को साकार करने का कोई उपाय नहीं ढूंढ पाया। 1993 में, 'नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालिम' ने नगा इलाकों से कुकी समुदायों को भगाने कए लिए उन पर बर्बर हमले किए। कुकी बागी भी हथियारबंद हुए और इसके बाद उनके इलाके में सक्रिय जातीय मैतेई गुटों से उनकी टक्कर हुई। सरकार और नगा तथा कुकी गुटों के बीच युद्धविराम समझौते के बाद भी मुठभेड़ें जारी रहीं, कभी इलाकों पर कब्ज़े के लिए तो कभी सरकारी ठेके हासिल करने या सरकारी नौकरों से जबरन वसूली के लिए। आर्थिक विकास ने जातीय तनावों में और इजाफा किया। मैतेई समुदाय के अंदर यह डर पैदा कर दिया कि इसके कारण वह हाशिये पर धकेले जा सकते हैं। मिशनरियों द्वारा शिक्षा के प्रसार और इलाके में विकास के भ्रष्टाचार ग्रस्त कार्यक्रमों से हासिल कमाई ने एक छोटे-से कुलीन कुकी तबके को जन्म दे दिया। आरक्षण के कारण नौकरशाही में उनके प्रवेश और व्यवसाय में उनकी सफलता ने मैतेई समुदाय के निचले तबकों में असंतोष को भड़काया। भाजपा ने हिंदू राष्ट्रवादी मिथकों को उभारना शुरू किया और मैतेई समुदाय को व्यापक भारतीय पहचान से जोड़ना शुरू किया। पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने 2018 में घोषणा की कि कृष्ण के काल में भगवान ने अरुणाचल की राजकुमारी से विवाह करके उत्तर-पूर्व से रिश्ता जोड़ा था। अब मणिपुर में अमन के लिए ऐसी राजनीति करनी पड़ेगी जो सबको साथ लेकर चले, न कि किसी को खत्म करके आगे बढ़े।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

डिफेंस प्रोडक्शन

अब भारत की बल्ले-बल्ले!

● 1.27 लाख करोड़ का उत्पादन, 21 हजार करोड़ के पार पहुंच गया एक्सपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पिछले एक दशक में डिफेंस प्रोडक्शन में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। 'मेक इन इंडिया' पहल की शुरुआत के बाद से देश का डिफेंस प्रोडक्शन असाधारण गति से बढ़ा है। यह वित्त वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड 1.27 लाख करोड़ तक पहुंच गया है।

कभी विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भर रहने वाला देश अब स्वदेशी विनिर्माण में एक उभरती हुई ताकत के रूप में खड़ा है। भारत घरेलू क्षमताओं के माध्यम से अपनी सैन्य ताकत को आकार दे रहा है।

डिफेंस प्रोडक्शन में यह बदलाव आत्मनिर्भरता के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

साथ ही सुनिश्चित करता है कि भारत न केवल अपनी सुरक्षा जरूरतों को पूरा करे बल्कि एक मजबूत डिफेंस इंडस्ट्रीज भी बनाए जो आर्थिक विकास में योगदान दे।

रणनीतिक नीतियों ने इस गति को बढ़ाया है। प्राइवेट पार्टनरशिप, टेक्निकल इनोवेशन और एडवांस्ड सैन्य प्लेटफार्मों के विकास को प्रोत्साहित किया है। रक्षा बजट में 2013-14 में 2.53 लाख करोड़ से 2025-26 में 6.81 लाख करोड़ तक की वृद्धि, अपने सैन्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए देश के दृढ़ संकल्प को रेखांकित करती है। भारत ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान मूल्य के संदर्भ में स्वदेशी रक्षा उत्पादन में अब तक की सबसे अधिक वृद्धि हासिल की है। यह आत्मनिर्भरता प्राप्त करने पर केंद्रित सरकारी नीतियों के कार्यान्वयन से प्रेरित है।

पीएम मोदी पूरी कैबिनेट के साथ देखेंगे 'छावा' फिल्म

● संसद में होगी स्पेशल स्क्रीनिंग, 27 मार्च की तारीख तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे और मराठा शासक रहे छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर बनाई गई फिल्म छावा पिछले काफी दिनों से देश भर के सिनेमा घरों में धूम मचाई हुई है। अब जानकारी मिल रही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद भवन में इसको देखने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार संसद में होने वाली इस विशेष स्क्रीनिंग के दौरान कई केंद्रीय मंत्री और सांसद शामिल होने वाले हैं। ये स्क्रीनिंग संसद भवन पुस्तकालय के बालयोगी ऑडिटोरियम में होने वाली है। गुरुवार दिनांक 27 मार्च को संसद में होने वाली स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान छावा फिल्म की पूरी कास्ट और क्रू मौजूद रहेगी। इस फिल्म में संभाजी महाराज की भूमिका निभाने वाले विक्की कौशल भी रहने वाले हैं। पीएम मोदी द्वारा मुगल शासक औरंगजेब के खिलाफ संभाजी महाराज के साहस और संघर्ष को दर्शाने के लिए बनाई गई फिल्म की सराहना करने के एक महीने बाद यह फिल्म अब संसद भवन में प्रदर्शित की जा रही है। बीते 21 फरवरी को पीएम मोदी महाराष्ट्र में अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन में थे, जहां उन्होंने छावा की जमकर तारीफ करते हुए कहा था कि महाराष्ट्र और मुंबई ने मराठी और हिंदी सिनेमा को नई ऊंचाइयां दी है। इन दिनों छावा पूरे देश में धूम मचाए हुए है। इसमें महाराजा संभाजी की वीरता की कहानी को सही तरीके से दिखाया गया है। ये फिल्म शिवाजी सावंत के मराठी उपन्यास पर बनाई गई है।

60 साल के हुए सीएम डॉ. मोहन यादव

उत्साह और शालीनता के साथ मनाया गया जन्म दिवस

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 60 साल के हो गए हैं। 25 मार्च 1965 को जन्मे डॉ मोहन यादव का जन्मदिन मनाया जा रहा है। सीएम हाउस में सुबह से ही मंत्री, विधायक, बीजेपी के पदाधिकारी जन्मदिन की बधाई देने पहुंचे।

कुष्ठ रोगियों को भोजन परोसा

सीएम डॉ मोहन यादव ने भोपाल के गांधी नगर में स्थित कुष्ठ आश्रम में जाकर कुष्ठ रोगियों के बीच अपना जन्मदिन मनाया। धोती-कुर्ता पहने हुए सीएम डॉ मोहन यादव ने आश्रम में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। सीएम ने कुष्ठ रोगियों को अपने हाथों से भोजन परोसा।

सरकार हर कष्ट में साथ खड़ी

महात्मा गांधी कुष्ठ आश्रम में सीएम ने मीडिया से चर्चा में कहा, आज का दिन कई अर्थों में हम अलग प्रकार से मना रहे हैं। वैसे तो हमारी हर सांस के साथ जन्म का समय है। लेकिन, दिन और साल के हिसाब से आज मेरा जन्मदिन है। मैंने अपने मित्रों, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ में महात्मा गांधी कुष्ठ सेवा धाम में कुष्ठ बंधुओं के साथ जन्मदिन मनाया।

सीएम ने कहा, ये बीमारी परमात्मा की न जाने कौन सी लीला है। लेकिन, कष्ट से भागने के बजाय कष्ट से लड़ने के लिए ये कुष्ठ योद्धा के नाते से अपने रोजमर्रा के सारे काम निपटाते हुए अपने आप को भी बचाकर चल रहे हैं।

हमारी सरकार का भी दायित्व है कि सरकार हर कष्ट में साथ खड़ी दिखाई दे। ऐसे बंधुओं के बीच आकर एक आत्मीय सुख मिलता है। ये ऐसी लाइलाज बीमारी है। लेकिन, ये जरूरी नहीं कि भविष्य की पीढ़ी भी ऐसी हो। ऐसे कई सारे भ्रम मिटाने की जरूरत है।

प्रदेश को विकास के पथ पर आगे ले जाना है। इसलिए हमने रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव किया है। आज मैं उज्जैन संभाग में 25 इंडस्ट्री का भूमिपूजन करने जा रहा हूं। उम्मीद करता हूं कि सभी लोगों को साथ लेकर विकास के पथ पर लगातार मप्र आगे बढ़ता रहेगा।

सीएम हाउस में काटा केक

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने जन्मदिन के मौके पर सीएम हाउस में केक काटा। इस दौरान उन्हें डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल भी बधाई देने पहुंचे थे। साथ ही मुख्य सचिव अनुराग जैन, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा, जे एन कंसोटिया सहित तमाम अधिकारी भी मौजूद रहे।

सुप्रभात

सब कहते हैं ये बीमारी,
छोड़ गए हैं बाबू जी।
सारे बच्चों में ख़ुद्दारी,
छोड़ गए हैं बाबू जी।
सुख दुख बाँट लिया करते थे,
जिससे भी मिल आते थे,
अपनेपन की बहुत उधारी,
छोड़ गए हैं बाबू जी।
क़लम क़िताबें घड़ी डायरी
और विरासत में अपनी,
दो खानों की इक अलमारी,
छोड़ गए हैं बाबू जी।
हँसते गाते खेल रहे हैं,
नाती पोते आँगन में,
अपने पीछे ये फुलवारी,
छोड़ गए हैं बाबू जी।
जबसे लावारिस सन्नो की,
शादी का संकल्प लिया,
ख़ुद करके सारी तैयारी,
छोड़ गए हैं बाबू जी।
खानदान की परम्पराएं,
सदा बनाए रखनी हैं,
बेटों पर ये ज़िम्मेदारी,
छोड़ गए हैं बाबू जी।

– अंकित चहल

दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर 3 नक्सलियों का एनकाउंटर

झीरम हमले के मास्टर माइंड चैतू के मारे जाने की चर्चा

जगदलपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा-बीजापुर-नारायणपुर जिले की सरहद पर सुरक्षाबलों ने 3 नक्सलियों को मार गिराया। मुठभेड़ में झीरम हमले के मास्टरमाइंड चैतू के मारे जाने की चर्चा है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। 3 शवों के साथ इंसास राइफल बरामद की गई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि इंद्रावती नदी के पार भारी संख्या में नक्सलियों का जमावड़ा है। इसी के आधार पर एक दिन पहले दंतेवाड़ा और बीजापुर से करीब 500 जवानों को ऑपरेशन के लिए भेजा गया था।

वहीं आज 25 मार्च की सुबह नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हो गई। अधिकारी कमलोचन कश्यप का कहना है कि जो नक्सली मारे गए हैं, उनकी पहचान की जा रही है।

चक्रव्यूह में नितीश भारद्वाज के अभिनय ने किया भाव विभोर

विक्रमोत्सव

डॉ. जफर महमूद
उज्जैन से

विक्रमोत्सव के अंतर्गत विक्रम नाट्य समारोह की चतुर्थ संध्या कालिदास अकादमी में अतुल सत्य कौशिक निर्देशित नाटक चक्रव्यूह का मंचन हुआ। प्रस्तुति में यह संदेश था कि चक्रव्यूह केवल एक युद्ध कला तक ही सीमित नहीं है। बल्कि संपूर्ण जीवन दर्शन के स्तर को समझने की ओर प्रेरित करता है। नाट्य प्रस्तुति में कुरुक्षेत्र की रक्त रंजित धरा को प्रदर्शित किया गया है। इसमें उत्तरा, अर्जुन, द्रोपदी और अन्य परिजनों के मन में भगवान श्रीकृष्ण से पूछे जाने वाले सवालों का उत्तर रखा गया है। अंततः श्रीकृष्ण का शाश्वत सत्य संदेश कि कोई भी अपने कर्मों में रचे गए स्वयं के चक्रव्यूह से कभी मुक्त नहीं हो सकता है।

नाटक के सूत्रधार स्वयं चक्रधारी श्रीकृष्ण थे। श्रीकृष्ण की छवि को जीवंत करके अभिनेता नितीश भारद्वाज अपने छंदमय संवाद से हर दर्शक को स्तब्ध कर दिया। अभिमन्यु के वध के मार्मिक दृश्यों ने दर्शकों के आँखों में पानी ला दिये। गर्भवती उत्तरा की वेदना को विराम देकर श्रीकृष्ण ने जब कहा कि तू अभिमन्यु की अर्धांगिनी है। तुझे अंधकार नहीं छलता है। कर्म बंधन और स्वयं के निर्णय ही चक्रव्यूह की रचना करते हैं। स्वयं भगवान भी जीवन में होने वाले महाभारत को नहीं रोक सकते हैं।

मंचन में श्रीकृष्ण की भूमिका अभिनेता डॉ. नितीश भारद्वाज ने निभाई। दुर्योधन को भानु प्रताप सिंह ने जीवंत किया। कर्ण (कमल कुमार) शकुनि (डॉ. नवीन कुमार) दुःशासन (दिगान्त शर्मा) अश्वत्थामा (मनमीत सिंह)

द्रोणाचार्य(तरुणडंग)कृपाचार्य (कमलेश ओझा) अभिमन्यु (साहिल छाबड़ा) उत्तरा (सुष्मिता मेहता) सुभद्रा (लतिका जैन) युद्धिष्ठिर (गौरवशर्मा) भीष्म पितामह (ललित भारद्वाज) अर्जुन (भानु प्रताप सिंह) दूत (दिगान्त शर्मा) ने अपने अपने पात्रों को सशक्त रूप में पेश किया। नाट्य मंचन से पूर्व सम्राट विक्रमादित्य शोध पीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी, विक्रम विश्वविद्यालय कार्य परिषद के वरिष्ठ सदस्य राजेश सिंह कुशवाह, पुराविद् डॉ रमन सिंह सोलंकी ने कलाकारों का स्वागत किया।

ऐतिहासिक पौराणिक फिल्मों का प्रदर्शन– उज्जैन में विक्रमोत्सव में पौराणिक फिल्मों के अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव(आईएफएफएएस) में भारतीय भाषाओं की ऐतिहासिक पौराणिक फिल्मों का प्रदर्शन निरंतर हो रहा है। विक्रम विश्वविद्यालय के कुलसचिव अनिल कुमार शर्मा ने किसान और भगवान और चैतन्य महाप्रभु फिल्मों को तल्लीनता से देखा।

हरा टी-शर्ट देख गजबे बमके बिहार सीएम नीतिश कुमार

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानपरिषद में मंगलवार को खूब हंगामा हुआ। आरजेडी के सदस्य आरक्षण के मुद्दे पर विरोध कर रहे थे। उन्होंने आरक्षण को नौवीं अनुसूची में डालने की मांग की। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही आरजेडी सदस्य वेल में आकर हंगामा करने लगे। उस वक्त मुख्यमंत्री नीतिश कुमार सदन में ही मौजूद थे। आरजेडी के ज्यादातर सदस्य हरे रंग की टी-शर्ट पहनकर आए थे।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 22 °c
न्यूनतम 16°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार,26 मार्च 2025

" जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है। "
चाणक्य नीति

दिशा के पिता ने पुलिस में करवाई एफआईआर

● आदित्य ठाकरे, रिया चक्रवर्ती, सूरज पंचोली और डिनो मोरिया का नाम

मुंबई (एजेंसी)। दिशा सालियान की मौत के मामले में शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे के साथ रिया चक्रवर्ती, डिनो मोरिया, सूरज पंचोली सहित अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। उनके पिता के वकील ने मंगलवार को ये जानकारी दी है। दिशा, सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर थीं और उनकी मौत से 6 दिन पहले मलाड में 14वीं मंजिल से गिरकर उनकी मौत हो गई थी। इस मर्डर केस में उनके

पिता के वकील नीलेश ओझा ने कहा, आज हमने सीपी ऑफिस में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई है और जेसीपी क्राइम ने इसे स्वीकार कर लिया है और यह शिकायत अब एफआईआर है... आरोपी हैं आदित्य ठाकरे, डिनो मोरिया, सूरज पंचोली और उनके बॉडीगार्ड, परमबीर सिंह, सचिन वाझे और रिया चक्रवर्ती सभी इस एफआईआर में आरोपी हैं। उन्होंने आगे कहा, परमबीर सिंह इस मामले को कवरअप करने के मुख्य मास्टरमाइंड थे... उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और आदित्य ठाकरे को बचाने के लिए झूठ गढ़ा... सभी विवरण एफआईआर में हैं... एनसीबी के जांच पत्र से साबित होता है कि आदित्य ठाकरे एक ड्रग कारोबार में शामिल थे, उस विवरण का उल्लेख इस एफआईआर में किया गया है। आदित्य ठाकरे के खिलाफ एफआईआर की मांग की है।

हरियाणा में संगठन बनाना कांग्रेस के लिए बिग टास्क

● कांग्रेस प्रभारी बीके हरिप्रसाद दो दिन के चंडीगढ़ दौरे पर

चंडीगढ़ (एजेंसी) । हरियाणा में कांग्रेस का संगठन खड़ा करने की कवायद में जुटे पार्टी प्रभारी बीके हरिप्रसाद दो दिन के चंडीगढ़ प्रवास पर आ गए हैं। विधानसभा के बजट सत्र के दौरान भी प्रभारी यहां दो दिन रहकर गए हैं। तब उनकी पार्टी के प्रमुख पदाधिकारियों और विधायकों से मुलाकात हुई थी। अब वे लोकसभा और विधानसभा चुनाव के पराजित उम्मीदवारों के साथ चर्चा करेंगे। पार्टी के सह प्रभारी जितेंद्र बघेल और प्रफुल्ल गुडधे भी पार्टी के साथ चंडीगढ़ के दौरे पर रहेंगे। कांग्रेस प्रवक्ता ने बताया कि कांग्रेस प्रभारी का चंडीगढ़ दौरा से शुरू हो रहा। वे यहां

बुधवार तक रहेंगे। पांच दिन के अवकाश के बाद विधानसभा का बजट सत्र दोबारा फिर 26 मार्च से आरंभ हो रहा है। इस दिन पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा समेत सभी कांग्रेस विधायक चंडीगढ़ में ही रहेंगे। संभावना है कि पहले दिन मंगलवार को पार्टी उम्मीदवारों के साथ चर्चा करने के बाद अगले दिन बुधवार को बीके हरिप्रसाद विधायकों से मुलाकात करेंगे। हालांकि वे एक बार विधायकों से मिल चुके हैं, लेकिन तब कुछ विधायक अलग मुलाकात करने से रह गए थे। इस बार उन्हें अपनी बात रखने का मौका दिया जाएगा। नए प्रभारी बीके हरिप्रसाद को स्पष्ट निर्देश हैं कि उन्हें हर हाल में राज्य का संगठन तैयार करना है।

ऑस्कर विजेता फिलिस्तीनी डायरेक्टर को बनाया बंदी

● इजराइली सैनिकों ने पहले मारपीट की, फिर अगवा किया

गाजा (एजेंसी)। ऑस्कर अवॉर्ड जीतने वाले फिलिस्तीनी फिल्म डायरेक्टर हमदन बल्लाल को इजराइली सेना ने बंधक बना लिया है। उनके को-डायरेक्टर युवल अब्राहम ने एक्स पर इसकी जानकारी दी। युवल ने बताया कि कुछ इजराइली लोगों ने वेस्ट बैंक इलाके में हमदन को उनके घर

के पास बुरी तरह मारा। उन्हें सिर और पेट में गहरी चोटें आईं। युवल ने कहा कि जब हमदन ने खुद को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए एंबुलेंस बुलाई तो इजराइली सैनिकों ने एंबुलेंस रोकी और हमदन को अगवा कर लिया। इसके बाद से हमदन की कोई जानकारी नहीं है। हमदन और युवल ने मिलकर 'नो अदर लैंड' फिल्म बनाई है, जिसने इस साल ऑस्कर में बेस्ट डॉक्यूमेंट्री का अवॉर्ड जीता था। यह फिल्म जंग के दौरान एक फिलिस्तीनी कार्यकर्ता बासेल अद्र और युवल के बीच पनपी दोस्ती और संघर्ष को दिखाती है। एक एक्टिविस्ट संस्था ने एक वीडियो जारी किया है।

जज वर्मा के घर पहुंची फैक्ट फाइंडिंग टीम

● तीन राज्यों के चीफ जस्टिस कर रहे हैं जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। जस्टिस यशवंत वर्मा के घर में मिले कैश के मामले की जांच तेज हो गई है। कैश मिलने के बाद सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने इस मामले में एक फैक्ट फाइंडिंग टीम बनाई थी, जो आज जांच करने के लिए जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पहुंची है। इस कमेटी में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस जी.एस. संधावालिया और कर्नाटक हाई कोर्ट की जज जस्टिस अनु शिवरामन शामिल हैं। बता दें कि 3 राज्यों के चीफ जस्टिस के इस पैनल को ही तय करना है कि कैश मिलने के मामले में जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ एक्शन होना चाहिए या नहीं। हालांकि, पैनल कार्रवाई करने का हकदार नहीं होगा। पैनल बस अपनी रिपोर्ट चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया संजीव खन्ना को सौंपेगा। अगर पैनल को लगता है कि आरोपों में दम है और उजागर किए गए कदाचार के बाद जस्टिस को हटाने की कार्यवाही शुरू की जानी चाहिए तो चीफ

जस्टिस ये रास्ते अपना सकते हैं। शिकायत में लगाए गए आरोपों में कोई सार नहीं है। इसलिए जस्टिस के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। आरोपों में पर्याप्त सार है और कदाचार इतना गंभीर है कि जस्टिस को हटाने के लिए कार्यवाही शुरू करने की जरूरत है। शिकायत में लगाए गए आरोपों में सार है, लेकिन प्रकट किया गया कदाचार इतनी गंभीर प्रकृति का नहीं है कि जस्टिस को हटाने के लिए कार्यवाही शुरू की जाए। बता दें कि ये फैसला सुप्रीम कोर्ट के 2015 के उस फैसले के मुताबिक लिया जाएगा, जिसमें बताया गया फैक्ट फाइंडिंग टीम की जांच किस तरह से की जाएगी। बता दें कि अगर पैनल को लगता है कि आरोप में दम हैं।

कदाचार के तहत जस्टिस को हटाया जाना चाहिए तो चीफ जस्टिस सबसे पहले संबंधित जज को इस्तीफा देने या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने की सलाह दे सकते हैं। अगर जस्टिस दोनों कंडीशन में बात नहीं मानते हैं तो सीजेआई संबंधित हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस से कह सकते हैं कि वह जस्टिस को कोई न्यायिक काम न दें।

मुस्लिमों को 'ईद' की खुशियां बांटेगी बीजेपी

● 'सौगात-ए-मोदी' किट में मिलेगा त्योहार का पूरा सामान
● ईद से पहले मुसलमानों के लिए बीजेपी का बड़ा अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईद से पहले भारतीय जनता पार्टी गरीब मुसलमानों को तोहफा बांटने का अभियान शुरू कर रही है। बीजेपी के अल्पसंख्यक 'सौगात-ए-मोदी' अभियान चलाकर 32 लाख गरीब मुसलमानों को गिफ्ट देगी। मंगलवार को यह अभियान दिल्ली के निजामुद्दीन से शुरू होगा। अभियान की निगरानी बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा करेंगे। बीजेपी का कहना है कि गरीब मुसलमान भी शान से ईद मना सकें, इसके लिए उन्हें एक किट गिफ्ट की जाएगी। बीजेपी के 32 हजार कार्यकर्ताओं को यह काम सौंपा गया है। बीजेपी का हर कार्यकर्ता एक मस्जिद की जिम्मेदारी लेगा। इस तरह से देशभर में 32 हजार मस्जिदों को कवर किया जाएगा। इसके बाद गरीब मुसलमानों को ईद से पहले ही गिफ्ट दिया जाएगा। बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कहा कि ईद, भारतीय नववर्ष, नौरूज, ईस्टर, गुड फ्राइडे को देखते हुए बीजेपी यह अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि बहुत सारे ऐसे अल्पसंख्यक हैं जो कि अपना त्योहार भी ठीक से नहीं मना पाते हैं। ऐसे में उन्हें बीजेपी 'सौगात-ए-मोदी' पेश करेगी। इसके अलावा जिला स्तर पर ईद मिलन कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। अल्पसंख्यक मोर्चा में राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी यासिर जिलानी ने कहा कि यह अभियान मुस्लिम समुदाय के लिए योजनाओं को प्रमोट करने के लिए चलाया जा सके जिससे कि एनडीए को भी राजनीतिक समर्थन मिले। पवित्र रमजान के महीने में ईद से पहले बीजेपी का यह अभियान बेहद अहम माना जा रहा है। इस अभियान से बीजेपी 32 लाख मुस्लिम परिवारों तक पहुंचना चाहती है। सौगात-ए-मोदी किट में कपड़े, सेंवइयां, खजूर, मेवे और चीनी होगी। इसके अलावा महिलाओं को दी जाने वाली किट में सूट का कपड़ा होगा और पुरुषों की किट में कुर्ता पायजामा का कपड़ा होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक किट की कीमत 500 से 600 रुपये होगी। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि 'सौगात-ए-मोदी' किट गरीब मुसलमानों को ईद का तोहफा है। गरीब मुसलमान भी अच्छे से ईद मना सकें, इसलिए भाजपा उन्हें ईद मनाने के लिए यह किट दे रही है। इसमें वे जरूरी चीजें होंगी, जिनका इस्तेमाल गरीब मुसलमान करेंगे।

अमृतपाल सिंह अप्रैल में आ सकता है पंजाब

अमृतसर (एजेंसी)। खालिस्तान समर्थक व सांसद अमृतपाल सिंह को अप्रैल में डिब्रूगढ़ से पंजाब लाया जा सकता है। 22 अप्रैल को अमृतपाल सिंह का एनएसए खत्म हो रहा है। डीएसपी गुरविंदर सिंह ने मीडिया से बातचीत करते हुए इसके संकेत दिए हैं। अमृतपाल के साथी पप्पलप्रीत सिंह की 10 अप्रैल के बाद वापसी संभव है। बीते चार दिनों में एक और साथी अमनप्रीत को कोटकपूरा से गिरफ्तार किया गया है। अमनप्रीत को भी आज पहले से हिरासत में लिए गए 7 साथियों के साथ अमृतसर की अजनाला कोर्ट में पेश किया गया। जहां पुलिस ने उनका तीन दिन का अतिरिक्त रिमांड हासिल किया है। आज की सुनवाई के दौरान पुलिस अधिकारियों ने अदालत में बताया कि इस केस में 19 नामजद और करीब 250 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। पुलिस का दावा है कि उन्हें अब भी अमृतपाल द्वारा बनाई गई आनंदपुर खालसा फौज के बारे में जानकारी इकट्ठा करनी है, इसलिए आरोपियों का और रिमांड जरूरी है। अमृतपाल सिंह के एक और सहयोगी वीरेंद्र सिंह फौजी को भी पंजाब लाया जा रहा है। वीरेन्द्र को पुलिस लेकर पहुंच रही है।

कश्मीर में दो बड़े अलगाववादी गुटों ने तोड़ा हुर्रियत से नाता

● अमित शाह नजर आए गदगद, दिया पीएम नरेंद्र मोदी को क्रेडिट

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू- कश्मीर में अलगाववादी संगठन ऑल पार्टी हुर्रियत कॉन्फ्रेंस को एक बड़ा झटका लगा है। जम्मू कश्मीर पीपुल्स मूवमेंट और डेमोक्रेटिक पॉलिटिकल मूवमेंट ने हुर्रियत कॉन्फ्रेंस से सारे रिश्ते तोड़ने का ऐलान किया है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के हटने के बाद से ही यह संगठन घाटी में निष्क्रिय हो गया था। गृह मंत्री अमित शाह ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की जीत बताया है। उनका कहना है कि मोदी सरकार की नीतियों के कारण जम्मू और कश्मीर से अलगाववाद को खत्म हो गया है। डेमोक्रेटिक पॉलिटिकल मूवमेंट के नेता मोहम्मद शफी रेशी ने ऐलान किया कि उनकी पार्टी ने हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के कट्टरपंथी गिलानी ग्रुप से पूरी तरह नाता तोड़ लिया है। इसके अलावा जम्मू - कश्मीर पीपुल्स मूवमेंट ने भी अलगाववाद से संबंध करने की घोषणा की है। घाटी में हुए इस बड़े घटनाक्रम का केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्वागत किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अमित शाह ने लिखा है कि कश्मीर में अलगाववाद इतिहास बन गया है। मोदी सरकार की एकजुट करने वाली नीतियों ने जम्मू -कश्मीर से अलगाववाद को बाहर कर

दिया है। उन्होंने कहा कि यह भारत की एकता को मजबूत करने की दिशा में एक अच्छा कदम है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के अन्य ग्रुपों से भी अलगाववाद छोड़ने की अपील की है। दो अलगाववादी संगठनों के हृदय परिवर्तन को मील का पत्थर माना जा रहा है।

मानसिक तनाव में थी पीड़ित मौत से पहले मांगी थी मदद

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर हॉस्पिटल में रेप और मर्डर केस की पीड़ित ट्रेनी डॉक्टर मानसिक तनाव में थी। मौत के एक महीने पहले उनसे प्रोफेशनल मदद मांगी थी। यह दावा कंसल्टेंट मनोचिकित्सक मोहित रणदीप ने किया है। बंगाली टीवी चैनल के इंटरव्यू में मोहित रणदीप ने दावा किया कि पीड़ित को लगातार 36 घंटे ड्यूटी करनी पड़ी थी। उसके साथ शिफ्ट अलॉटमेंट में भेदभाव होता था। उसने

दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की खरीद में कई गड़बड़ियां देखी थीं। इसके बाद उसे परेशान किया जा रहा था। मनोचिकित्सक ने बताया कि उन्होंने ट्रेनी डॉक्टर को कुछ सलाह दी थी और फॉलो-अप काउंसलिंग के लिए दोबारा आने को कहा था, लेकिन वह नहीं आईं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो वे सीबीआई के सामने गवाही देने के लिए तैयार हैं।

सेना में दिखेगा बड़ा बदलाव, आठ महिलाओं ने चुना है विकल्प

● 92 साल में पहली बार आईएमए में कदम रखेंगी महिला अधिकारी ● एनडीए में 126 महिला कैडेट्स ले रही हैं ट्रेनिंग, 8 सेना में जाएंगी

देहरादून (एजेंसी)। तीन साल पहले सुप्रीम कोर्ट के बड़े फैसले के बाद 92 साल में पहली बार देहरादून के इंडियन मिलिटरी अकैडमी में महिला अधिकारियों को भी ट्रेनिंग दी जाएगी। जुलाई 2025 में ही नेशनल डिफेंस अकैडमी खड़गवासला से महिला अधिकारियों का पहला बैच ग्रैजुएट होने वाला है। इसके बाद महिला अधिकारियों को तीनों सेनाओं की अलग-अलग ट्रेनिंग के लिए अलग-अलग संस्थानों में भेजा जाएगा। आईएमए ने भी अब अपने दरवाजे महिला अधिकारियों के लिए खोल दिए हैं और उन्हें प्रशिक्षण देने की तैयारी में जुट गया है। एनडीए में आखिरी चरण की ट्रेनिंग ले रहीं कुल 18 में से 8 महिलाओं ने थल सेना

को विकल्प के तौर पर चुना है। इन महिला अधिकारियों को आईएमए में एक साल की ट्रेनिंग दी जाएगी और इसके बाद वे कमीशन हो जाएंगी। एक अधिकारी ने कहा कि महिला अधिकारियों का पहला बैच मई में ही एनडीए से पास हो जाएगा। अगस्त 2022 में ये महिलाएं एनडीए में पहुंची थीं। उन्होंने बताया कि एनडीए में इस समय 126 महिला अधिकारियों की ट्रेनिंग हो रही है। 92 साल में पहली बार है जब यहां महिला अधिकारियों की ट्रेनिंग होगी। फिलहाल आईएमए में ही महिलाओं की ट्रेनिंग नहीं होती थी। अगस्त 2021 में ही सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि महिलाएं भी एनडीए की परीक्षा देकर सेना में अधिकारी बन सकती हैं। इससे पहले कुछ चुनी हुई ब्रांच में ही महिलाओं को शॉर्ट सर्विस कमीशन के तहत रखा जाता था। एक अधिकारी ने बताया कि आईएमए में महिला कैडेट्स के रहने के लिए अलग व्यवस्था की जाएगी।

ट्रंप के टैरिफ का हल निकालने भारत आई अमेरिकी टीम

● आज से शुरू होगी अहम बैठक, 2 अप्रैल की दी है धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर टैरिफ को लेकर दी गई 2 अप्रैल की समय सीमा से पहले एक अमेरिकी टीम भारत पहुंची है। यह टीम ट्रंप प्रशासन के साथ व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने के लिए भारतीय अधिकारियों के साथ अहम बैठक करेगी। बैठक कल बुधवार, 26 मार्च से शुरू होने वाली है। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों देशों के बीच सितंबर-अक्टूबर तक व्यापार समझौते के पहले हिस्से को पूरा करने पर चर्चा होगी। ट्रंप ने हाल ही में भारत पर आयात शुल्क बढ़ाने की धमकी दी थी, जिसके बाद यह कदम उठाया गया है। अमेरिकी टीम का लक्ष्य आपसी व्यापारिक मुद्दों को सुलझाना और टैरिफ विवाद को कम करना है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस वार्ता में समझौते की रूपरेखा और समय-सीमा को तय किया जाएगा, जो दो चरणों में लागू किया जाने की संभावना है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) के दक्षिण और मध्य एशिया मामलों के सहायक प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच के नेतृत्व में एक टीम भारतीय वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल के साथ बैठक करेगी। इस वार्ता का उद्देश्य सितंबर-अक्टूबर तक समझौते के पहले चरण को पूरा करना है। हालांकि वार्ता अभी प्रारंभिक दौर में है, लेकिन पहले चरण में दोनों देशों द्वारा शुल्क (टैरिफ) में कटौती पर ध्यान केंद्रित किया जा सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारतीय बाजार में लग्जरी कारों, इलेक्ट्रिक

वाहनों, व्हिस्की और कृषि उत्पादों पर टैरिफ घटाने का दबाव बना रहे हैं। इस सप्ताह के अंत तक, जब तीन दिवसीय वार्ता समाप्त होगी, तब इस पर अधिक स्पष्टता आने की उम्मीद है। ट्रंप 2 अप्रैल से जवाबी टैरिफ लगाने की समयसीमा तय कर चुके हैं, जिसे वे अब मुक्ति दिवस कह रहे हैं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिका वार्ता के दौरान टैरिफ बढ़ाएगा या नहीं। अमेरिकी दूतावास के एक प्रवक्ता ने कहा, हम भारत सरकार के साथ व्यापार और निवेश मामलों पर चल रही बातचीत को महत्व देते हैं और इन चर्चाओं को रचनात्मक, न्यायसंगत और दूरगामी दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाने की उम्मीद करते हैं। भारतीय अधिकारी इस समझौते से होने वाले लाभों पर चुप्पी साधे हुए हैं, लेकिन एक अधिकारी ने कहा कि यह व्यापार समझौता टैरिफ और नियमों में स्थिरता लाएगा और आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा,एक मजबूत व्यापार समझौता द्विपक्षीय व्यापार और निवेश के लिए नई संभावनाएं खोल सकता है। पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वाशिंगटन यात्रा के दौरान भारत और अमेरिका ने द्विपक्षीय व्यापार वार्ता शुरू करने और 2030 तक व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य तय किया था।

उप-मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने मंत्रालय में मंगलवार को म.प्र. अजाक्स संघ की ओर से अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में शा. महिला सेवकों का सम्मान किया।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भोपाल में हुई बैठक में मध्यप्रदेश गृह निर्माण मण्डल के कार्यों की समीक्षा की।

उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार ने स्कोप ग्लोबल स्किल यूनिवर्सिटी भोपाल में दो दिवसीय 'नवोन्मेष' कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

विकसित भारत के निर्माण के लिए स्वस्थ भारत आवश्यक : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोजपाल मित्र परिषद के कैंसर जागरूकता एवं जाँच शिविर का किया शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि भारत वर्तमान में विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। आने वाला समय भारत का है। हम फिर से सोने की चिड़िया बनने की राह पर हैं और इस सपने को पूरा करने के लिए अच्छा स्वास्थ्य अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा, सबसे पहला सुख निरोगी काया है। विकसित भारत के निर्माण के लिए स्वस्थ भारत आवश्यक है। इसके लिए नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होना होगा, स्वस्थ जीवन शैली अपनानी होगी और नियमित जाँच करवानी होगी, ताकि रोगों का समय पर निदान हो सके और प्रसार को रोका जा सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने ज्ञान विज्ञान भवन, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल में भोजपाल मित्र परिषद द्वारा आयोजित कैंसर जाँच एवं जागरूकता शिविर का शुभारंभ किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्राथमिकता का विषय है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिये सतत प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि शासकीय प्रयासों के साथ निजी सहभागिता को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। वर्ष 2003 में प्रदेश में मात्र 5 मेडिकल कॉलेज थे, जो अब बढ़कर 17 हो चुके हैं। आगामी 2 वर्षों में 8 नवीन शासकीय मेडिकल कॉलेज खोले जाने की योजना है। इसके अलावा, 12 जिलों में पीपीपी मोड से मेडिकल कॉलेज स्थापना के प्रयास किए जा रहे हैं।

'राइट टू हेल्थ' के साथ 'राइट टू स्क्रीनिंग' भी ज़रूरी- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने भोजपाल मित्र परिषद द्वारा कैंसर जागरूकता एवं जाँच शिविर की पहल की सराहना करते हुए कहा कि कैंसर की सही समय पर जाँच निदान को सरल बनाती है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि 'राइट-टू-हेल्थ' के साथ 'राइट-टू-स्क्रीनिंग' भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पूरे देश में 30 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों की जाँच के लिए 20 फरवरी से 31 मार्च तक निःशुल्क निरोगी काया अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें बीपी, सुगर, फैटी लीवर और कैंसर की जाँच की जा रही है। उन्होंने उपस्थित युवाओं और प्रबुद्ध जनों से आह्वान किया कि इस अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करें।

निरोगी काया अभियान में की जा रही है नि:शुल्क जाँच

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान के तहत असंचारी रोगों की स्क्रीनिंग के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों और मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिकों पर जाँच शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। रोगों की पहचान होने पर त्वरित रूप से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, सिविल अस्पतालों अथवा जिला चिकित्सालयों में उपचार प्रारंभ किया जा रहा है। नए मरीजों की पहचान के लिए आशा कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर जानकारी इकट्ठा की जा रही है। प्राप्त जानकारी के आधार पर असंचारी रोग स्क्रीनिंग एवं पंजीयन का कार्य भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्क्रीनिंग के साथ-साथ लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न बीमारियों के लक्षण, बचाव और उपचार की जानकारी भी दी जा रही है।

हर संभागीय मुख्यालय में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का प्रयास

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि कैंसर के इलाज के लिए शीघ्र ही प्रदेश के सभी संभागीय मुख्यालयों में 'सेंटर-ऑफ-एक्सीलेंस' स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों में अत्याधुनिक उपकरण जैसे ब्रेकी थेरेपी, पेट स्कैन, लीनियर एक्सीलरेटर आदि की सुविधा होगी तथा पर्याप्त मैनपॉवर की भी व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति सतर्क और सजग रहना भी आवश्यक है, ताकि जीवनशैली में सुधार कर स्वस्थ और सशक्त भारत के निर्माण में योगदान दिया जा सके।

आयुर्वेद स्वस्थ जीवन शैली का प्रशस्त करता है मार्ग

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण और उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि आयुर्वेद स्वस्थ जीवन शैली का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने योग और प्राणायाम को जीवन में अपनाने पर बल दिया। आरोग्य भारती के श्री अशोक वार्ष्णेय ने संतुलित आहार, स्वस्थ दिनचर्या और सकारात्मक सोच को स्वस्थ और ऊर्जावान जीवन का मूल बताया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र और मौसम के अनुरूप भोजन करना और नियमित व्यायाम को जीवनशैली में शामिल करना आवश्यक है। नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, श्री हरिओम जटिया, पीपल्स ग्रुप के डायरेक्टर श्री रोहित पंडित, डॉ. अनिकेश गोयनका, भोजपाल मित्र परिषद के श्री आशीष पांडेय, श्री आशीष जनक सहित अन्य पदाधिकारी, चिकित्सक और चिकित्सा छात्र उपस्थित रहे।

ट्रेन से कटा युवक, मौत

चेतक ब्रिज के नीचे हुआ हादसा

भोपाल (नप्र)। भोपाल के एमपी नगर क्षेत्र में मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे चेतक ब्रिज के नीचे एक युवक का शव मिला। पुलिस के मुताबिक, युवक के जूते ब्रिज के नीचे पड़े हुए थे, जिससे यह संभावना जताई जा रही है कि युवक ट्रैक पर चलते समय किसी ट्रेन की चपेट में आ गया होगा। फिलहाल, युवक की पहचान नहीं हो पाई है। मामले में पुलिस जांच कर रही है।

एमपी नगर पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर उसे हमीदिया अस्पताल की मॉर्च्युरी में भेज दिया गया। हालांकि, घटना के बाद पुलिस ने आसपास के लोगों से जानकारी जुटाने की कोशिश की है, लेकिन युवक की पहचान अब तक नहीं हो पाई है।

पुलिस के मुताबिक मामले में और भी साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं, ताकि घटना के सही कारणों का पता चल सके। पुलिस का मानना है कि यह दुर्घटना उस समय हुई होगी जब युवक ट्रैक के पास कहीं से गुजर रहा होगा और अचानक ट्रेन के नीचे आ गया।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष का प्रादेशिक सम्मेलन आज

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 26 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष का राज्य स्तरीय सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे। सम्मेलन अपेक्स बैंक परिसर स्थित समन्सय भवन में भोपाल में सुबह 10 बजे से शुरू होगा। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। इस मौके पर अपर सचिव सहकारिता एवं प्रशासक अपेक्स बैंक अशोक बर्णवाल, प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी उमाकांत उमराव, प्रमुख सचिव मत्स्य पालन श्री डी.पी. आहूजा उपस्थित रहेंगे। प्रबंध संचालक अपेक्स बैंक मनोज कुमार गुप्ता ने बताया है कि सम्मेलन में राज्य सहकारी विपणन संघ के प्रबंध संचालक आलोक कुमार सिंह, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं मनोज पुष्प और नाबार्ड क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल की मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती सी. सरस्वती मौजूद रहेंगी।

दो बसों में आग लगी जिंदा जला क्लीनर

सिंगरौली (नप्र)। सिंगरौली बस स्टेंड पर खड़ी दो बसों में आग लग गई। इनमें से एक बस में सो रहे क्लीनर की जिंदा जलकर मौत हो गई।

हादसा सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात करीब 12 बजे हुआ। ट्रैफिक थाना प्रभारी दीपेंद्र सिंह ने बताया कि सूचना मिलते

ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाया लेकिन तब तक दोनों बसें पूरी तरह जल चुकी थीं। आग लगने के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अव्यवस्थाओं का अंबार

48 करोड़ का आईएसबीटी बना कबाड़ बसों का अड्डा

भोपाल (नप्र)। राजधानी में 15 साल पहले 48 करोड़ रुपए की लागत से बने अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) पर अव्यवस्थाओं का अंबार है। बस स्टैंड के अंदर गंदगी फैली रहती है, डिस्पले भी खराब हैं। इसके साथ ही यहां सिर्फ बीसीएलएल की कंडम बसें ही दिखाई देती हैं। वहीं, आईएसबीटी के बाहर दिन और रात के समय बड़ी संख्या में यात्री बसें मेन रोड पर खड़ी रहती हैं। 20 फीट चौड़ी सड़क पर बसों के खड़े होने से यहां 10 फीट जगह बचती है, जिसके कारण सड़क पर जाम लगता है। जबकि 100 मीटर दूर तिराहे पर ही ट्रैफिक पुलिस चैकिंग करती है, लेकिन यहां व्यवस्था नहीं सुधारती।

आईएसबीटी के अंदर का हाल- यात्रियों का कहना है कि आईएसबीटी से बसों की कोई जानकारी नहीं मिलती। गंदगी इतनी है कि यहां बैठना मुश्किल है। बिजली बोर्ड खुले पड़े हैं, पंखे बंद हैं, प्याऊ सूखे पड़े हैं। एक कर्मचारी ने बताया कि टॉयलेट कई सालों से बंद पड़ा है। 10 बजे यहां से आखिरी बस निकलती है, इसके अलावा अन्य बसें बाहर से ही निकलती है। मेंटेनेंस को लेकर बीसीएलएल के अधिकारी यह भी नहीं बता पा रहे हैं कि आखिरी बार बस स्टैंड का मेंटेनेंस कब हुआ था।

भोपाल में 2 शराब दुकान शिफ्ट करने की मांग

हाथों में तख्तियां लेकर अफसरों के पास पहुंची महिलाएं, आंदोलन की चेतावनी दी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) और सांई राम कॉलोनी सेमरा गेट से शराब दुकानें अन्य जगहों पर शिफ्ट करने की मांग उठी है। इसे लेकर मंगलवार को कई महिलाएं हाथों में तख्तियां लेकर अफसरों के पास पहुंची। महिलाओं ने जल्द दुकान शिफ्ट नहीं होने पर आंदोलन करने की चेतावनी भी दी है।

शहर के स्टेशन रोड स्थित सांई राम कॉलोनी सेमरा गेट मुख्य मार्ग पर

शराब दुकान है। यह धार्मिक स्थल और स्कूल के नजदीक है। इस दुकान के सभी दस्तावेज चांदबड़ के नाम से हैं। बावजूद इसके यह सांई राम कॉलोनी में है। इन दुकानों से विजय नगर, सांई राम कॉलोनी, बाबू कॉलोनी, लक्ष्मीपुरी, सेमरा के हजारों लोग हर रोज परेशान हैं। कई बार शराबी गंदी हरकतें करते हैं। जिससे बच्चों और महिलाओं को परेशानी होती है। कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन सिर्फ आश्वासन ही मिलता है। मंगलवार को महिलाएं फिर से शिकायत लेकर कलेक्टोरेट पहुंची थीं। स्कूल और मंदिर का हवाला देते हुए दुकानों को शिफ्ट करने की उठाई मांग। कई महिलाएं हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर पहुंची थीं।

बैरागढ़ को शराब दुकान से मुक्त करें

इधर, युवा सिंधी मंच के अध्यक्ष जयराम नंदवानी ने भी समाजजनों के साथ कलेक्टोरेट पहुंचकर शराब दुकान शिफ्ट करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि संत हिरदाराम नगर को शराब मुक्त किया जाए। यहां 3 दुकानें हैं, जो नगर निगम शॉपिंग कॉम्पलेक्स में एसबीआई के पास, डाकघर और निगम जोन ऑफिस के पास है। यहां पर हजारों लोगों का आना-जाना होता है, लेकिन वे शराबियों से खासे परेशान हैं।

कांग्रेस नेता और अफसर में तीखी नोंक-झोंक

मंगलवार को जनसुनवाई में खुशीपुरा निवासी धनिया बाई के पट्टे की जमीन पर रसूखदारों के कब्जे और कॉमर्शियल इस्तेमाल के मामले में फिर से शिकायत की गई। इस दौरान जिम्मेदार अफसर एवं कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला के बीच तीखी नोंक-झोंक हो गई। जनसुनवाई में शामिल अधिकारी ने सरकारी रिपोर्ट का हवाला दिया तो कांग्रेस नेता शुक्ला भड़क गए। अधिकारियों पर राजनीतिक दबाव में कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए शुक्ला ने पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से हस्तक्षेप की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि राजनीतिक संरक्षण में बुजुर्ग पीड़िता को परेशान किया गया तो पीड़िता के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात की जाएगी।

मंडी बोर्ड के पेंशनरों को नियमित रूप से हो पेंशन का भुगतान : कृषि मंत्री कंषाना

मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड के संचालक मंडल की 143वीं बैठक

भोपाल (नप्र)। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि मंडी निधि में उपलब्ध धनराशि से मंडी बोर्ड के पेंशनरों को नियमित रूप से पेंशन भुगतान किया जाए। मंत्री श्री कंषाना किसान भवन में मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड के संचालक मंडल की 143वीं बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

प्रदेश की कृषि उपज मंडियों में संचालित मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाओं में नियुक्त अमले तथा मंडी बोर्ड मुख्यालय के संविदा वाहन चालकों की नियमित पदों में समकक्षता का निर्धारण कर पारिश्रमिक में वृद्धि किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। सभी महिला कर्मचारियों को सात दिवस के आकस्मिक

अवकाश की भी स्वीकृति प्रदान की गई। पिछली बैठक के पालन प्रतिवेदन पर संतुष्टि प्रदान की गई।

कृषि उपज मंडी समिति जैसीनगर जिला सागर के प्रांगण में बोर्ड निधि से कृषक संगोष्ठी भवन की स्वीकृति का अनुसमर्थन किया गया। मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड के पुनरीक्षित अनुमान वर्ष 2024 -25 एवं बजट अनुमान 2025-26 पर भी विचार विमर्श किया गया।

प्रमुख सचिव कृषि श्री एम सेल्वेंद्रम, प्रबंध संचालक सह-आयुक्त मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड श्री कुमार पुरुषोत्तम, संयुक्त आयुक्त सहकारी संस्थाएं श्री अजय मिश्र, सदस्य मध्य प्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड श्री अरुण सोनी उपस्थित थे।

राजधानी के 20 प्रतिशत हिस्से में दो दिन जलप्रदाय नहीं

करोंद-अन्ना नगर समेत 50 इलाकों में असर, मेट्रो के लिए शिफ्ट होगी पाइप लाइन

भोपाल(नप्र)। भोपाल में मेट्रो की ऑरेंज लाइन के दूसरे फेज का काम शुरू हो गया है। अंडरग्राउंड लाइन बिछाने के लिए खुदाई होगी। जिसमें पानी, टेलीफोन की लाइन भी टूट सकती है। ऐसे में लाइन शिफ्ट की जाना है। इसकी शुरुआत बुधवार से होगी। पानी की लाइन शिफ्ट करने के चलते भोपाल के करीब 20 प्रतिशत हिस्से में जलप्रदाय नहीं होगा।

निगम के अनुसार, जोन-16 और 17 के करोंद, अन्ना नगर समेत 50 से अधिक इलाकों में असर पड़ेगा। यहां 26 मार्च को पूरे दिन पानी नहीं मिलेगा, जबकि 27 मार्च को काम पूरा होने के बाद पानी की सप्लाई की जा सकती है।

करोंद मंडी के पास लाइन होगी शिफ्ट

करोंद मंडी के पास मेट्रो स्टेशन के कार्य में बाधक जलप्रदाय पाइप लाइन को शिफ्ट किया जाएगा। इसलिए बुधवार सुबह 9 बजे से 27 मार्च की सुबह 9 बजे तक 24 घंटे के लिए मेट्रो कॉरपोरेशन शटडाउन लेगा। यदि समय पर काम पूरा नहीं होता है तो जलप्रदाय लेट हो जाएगा।

इन इलाकों में पड़ेगा असर

रतन कॉलोनी, कृषक नगर, वकील कॉलोनी, पंचवटी फेस-2, राजवंश, पूजा कॉलोनी, गोया कॉलोनी, राधाकृष्ण कॉलोनी, शिवानी होम्स, शांति नगर, पंचवटी फेस-3, जनता नगर, पारस नगर, मुरली नगर, कपिला नगर, विश्वकर्मा नगर, शिव नगर फेस-1, 2 एवं 3 में जलप्रदाय नहीं होगा।

नीलकंठ कॉलोनी, शहीद कॉलोनी, अन्ना नगर, जैन कॉलोनी, एकता नगर, हाउसिंग बोर्ड आवास, विकास कॉलोनी, अमन कॉलोनी, एहसान नगर, संजय नगर, एमआईजी, विवेकानंद, हाउसिंग पार्क, ब्लू मून कॉलोनी, प्रेम नगर, देवकी नगर, सुंदर नगर, आशियाना, फिजा, नवजीवन कॉलोनी, छोला मंदिर, उड़िया बस्ती, गरीब नगर, कल्याण नगर, प्रीत नगर, भानपुर, अटल नेहरू नगर, चांदबाड़ी, शंकर नगर, नवाब कॉलोनी, नगर निगम कॉलोनी में भी असर रहेगा।

टैंकरों के जरिए पहुंचेगा पानी

दो दिन तक जलप्रदाय नहीं होने के चलते निगम ने टैंकरों के जरिए पानी की आपूर्ति करने का निर्णय लिया है। अलग-अलग इलाकों में पानी से भरे टैंकर भेजे जाएंगे।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में नागरिकों के फीडबैक अनिवार्य रूप से लें

नगरीय प्रशासन एवं विकास ने नगरीय निकायों को दिये निर्देश

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 का कार्य लगातार जारी है। इस संबंध में नगरीय निकायों को समय-समय पर निर्देश जारी किये जा रहे हैं। केन्द्रीय शहरी कार्य मंत्रालय स्वच्छता को लेकर नागरिकों से सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म वोट फॉर योर सिटी वेब, वोट फॉर योर सिटी ऐप और स्वच्छता ऐप पर प्रतिक्रिया ले रहा है। यह प्रतिक्रियाएं स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के परिणामों एवं रैंकिंग को प्रभावित करेंगी। नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय ने नगरीय निकायों को इस संबंध में जागरूक करने के लिये कहा है। नगरीय निकायों से अपने शहर में विभिन्न गतिविधियों को करने के लिये कहा गया है।

निर्देशों में कहा गया है कि व्हाटसएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर आकर्षक बैनर, वीडियो और पोस्ट का उपयोग कर फीडबैक माध्यमों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये। नगरीय निकाय के प्रयासों की जानकारी भी नागरिकों को दी जाये। व्हाटसएप ग्रुप पर नगरपालिका और अन्य नागरिक संगठनों के व्हाटसएप ग्रुप पर निकायों के प्रयास के साथ फीडबैक देने के लिये लिंक नागरिकों को दी जाये। सामुदायिक बैठक, सांस्कृतिक और अन्य आयोजन के दौरान नागरिकों को स्वच्छता पर जागरूक किया जाये और उन्हें सकारात्मक फीडबैक के बारे में प्रोत्साहित किया जाये।

निर्देशों में कहा गया है कि नगरीय निकाय की टीम मोहल्लों के दौरे में प्रत्येक घर में जाकर स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 की जानकारी और प्रयासों के बारे में बताये। टीम में ब्राण्ड एम्बेसडर, स्वच्छताग्राही स्वयं सेवकों को भी शामिल किया जाये। सार्वजनिक स्थानों जैसे बाजार, स्कूल, अस्पताल, बस स्टेण्ड, रेलवे स्टेशन आदि स्थानों पर लिंक क्यूआर कोड सहित पोस्टर प्रदर्शित किये जायें। नागरिकों को स्वच्छता के महत्व को प्रदर्शित करने वाले पर्चे वितरित किये जायें। सर्वेक्षण में नगरीय निकाय को शहर की जनसंख्या के कम से कम 10 प्रतिशत सिटीजन फीडबैक प्राप्त किया जाना अनिवार्य किया गया है। संचालनालय ने नगरीय निकायों द्वारा इस दिशा में किये गये प्रयासों की जानकारी भी नियमित रूप से भेजने के लिये कहा है।

मुख्यमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने विदिशा के कपूर गार्डन में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया।

संपादकीय

यह तरीका तो ठीक नहीं!

कॉमेडियन कुणाल कामरा प्रकरण का संदेश यही है कि देश में अगर सहिष्णुता अब अपने सबसे निचले स्तर पर है तो दूसरी तरफ किसी पर कमेंट करने की भी कोई मर्यादा है। इस मामले में दोहरे मापदंड नहीं हो सकते। कुणाल ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर जो पैरोडी गाई, उससे साफ झलकता है कि यह कोई कॉमेडी नहीं बल्कि शिंदे को गरियाना था। वैसे भी एकनाथ शिंदे राज्य का मुख्यमंत्री पद खोने के बाद उतने महत्वपूर्ण नहीं रह गए हैं। ऐसे में उन पर कॉमेडी के माध्यम से निशाना साधने का असल मकसद क्या हो सकता है? हालांकि कुणाल ने पैरोडी में जिन शब्दों का प्रयोग किया है, वो शिवसेना (उद्धव) के उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे व संजय राउत खुलेआम कर चुके हैं। लेकिन उनके खिलाफ मामला आज तक दर्ज नहीं हुआ। तो क्या कुणाल को निशाना इसलिए बनाया गया कि कॉमेडियन आसान शिकार हो सकते हैं। एकनाथ शिंदे पर की गई विवादित पैरोडी के वायरल होते ही शिंदे समर्थक उत्तेजित हो गए और उन्होंने जिस यूनीकॉंटीनेंटल स्टूडियो में कॉमेडी शो शूट हुआ था, उसमें तोड़फोड़ कर दी। यह भी गलत था। क्योंकि कुणाल का विरोध शांतिपूर्वक भी किया जा सकता था। सबक सिखाने का दुनिया में एक ही तरीका नहीं है। यही नहीं, शिंदे समर्थकों ने यह चेतावनी भी दी कि अगर कुणाल ने अपनी पैरोडी पर माफी नहीं मांगी तो वो कुणाल को भारत में कहीं नहीं जाने देंगे। हालांकि कुणाल भी अपनी बात पर अड़े हैं। उनका कहना है कि वो माफी नहीं मांगेंगे। उधर एकनाथ शिंदे ने कहा है कि वो व्यंग्य और कॉमेडी का फर्क समझते हैं। कुणाल ने जो किया है वह व्यंग्य नहीं सुपारी कॉमेडी है। उनका सीधा इशारा ठाकरे पिता पुत्र और संजय राउत पर है। आशय यह कि कुणाल ने उनके कहने पर ही शिंदे पर यह पैरोडी बनाई है। जबकि कुणाल ने इस बात से इंकार किया है। लेकिन यह सवाल फिर भी बाकी है कि अभी ऐसा क्या हुआ कि शिंदे पर पैरोडी बनानी पड़ी। शिंदे का मुख्यमंत्री पद गए तो चार माह हो चुके हैं। तब ऐसा व्यंग्य किया गया होता तो शायद समयानुकूल भी होता। यानी कहीं न कहीं दाल में कुछ काला तो है। इस बीच खबर आई है कि महाराष्ट्र में सत्ता में भागीदार अजित पवार की राकांपा के एक विधायक ने भी चेतावनी दी है कि इस मामले में अजित दादा का नाम लिया गया तो कुणाल की हालत वही की जाएगी, जो शिंदे समर्थकों ने की है। इस बीच राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने भी शिंदे का बचाव करते हुए कहा कि कुणाल जैसी अभद्र कॉमेडी सही नहीं है। उन्ही के निर्देश पर स्टूडियो में तोडफोड़ करने वाले 11 शिंदे समर्थकों के खिलाफ मामला भी दर्ज किया गया है। यहां सवाल यह है कि क्या अब छोटे मोटे मामलों में भी मारपीट और मुकदमेबाजी होगी? क्या व्यंग्य का जवाब व्यंग्य से नहीं दिया जा सकता? हर बात में लाठी तंत्र अपनाना क्या लोकतांत्रिक है? जहां तक कुणाल कामरा का सवाल है, उनका झुकाव वामपंथ की ओर है, यह जगजाहिर है। इसके पहले भी वो विवादों में फंस चुके हैं। लेकिन अपनी टेक नहीं छोड़ी। कोर्ट में कुणाल को दोषी ठहराना आसान नहीं है। क्योंकि जिन शब्दों का उपयोग उन्होंने अपनी पैरोडी में किया है, वह सार्वजनिक रूप से दूसरे नेता पहले भी कर चुके हैं, कर रहे हैं। साथ ही पैरोडी में शिंदे पर परोक्ष कटाक्ष है। सीधे तौर पर उनका नाम नहीं लिया गया है। कुल मिलाकर गलती दोनों तरफ से है। कुणाल कटाक्ष करें, लेकिन शालीनता की सीमा में और उस प्रतिक्रिया भी लट्ठभारती शैली में न हो।

आम आदमी का कोर्ट के प्रति विश्वास कायम रहे

नजरिया

अशोक भाटिया

लेखक मुंबई निवासी स्वतंत्र पत्रकार हैं।

कपिल सिबल ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में न्यायिक प्रणाली की खामियों के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रणाली में लोगों का भरोसा कम हो रहा है। हालांकि दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के आवास पर कैश मिलने के मामले में उन्होंने टिप्पणी करने से इंकार करते हुए कहा कि जिम्मेदार नागरिक के तौर पर इस पर बोलना उचित नहीं होगा। पर न्यायाधीश यशवंत वर्मा के बंगले से 15 करोड़ रुपये नकद पाए जाने की ख़बरों ने पूरे देश में हलचल मचा दी। एकमात्र भरोसा जो न्यायपालिका में था और वह भी पूरी तरह से कमजोर हो गया है। अतीत में न्यायाधीशों द्वारा नकद एकत्र करने और निर्णय पारित करने के कई उदाहरण हैं कि बदले में किसी को लाभ होगा। लेकिन इससे पता चलता है कि आम आदमी को पहले न्यायपालिका पर सिर्फ भरोसा था लेकिन अब वह भी नहीं है। दिल्ली में वर्मा के बंगले से नकदी मिली थी और पुलिस ने जब्त कर लिया था और अब सुप्रीम कोर्ट उसे अपने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वापस भेजने का फैसला करेगा। पूरा फैसला अब प्रधान न्यायाधीश खन्ना के पास है और वह जल्द ही फैसला करेंगे कि वह वर्मा के खिलाफ क्या कार्रवाई करेंगे।

गौरतलब है कि एक मुख्य न्यायाधीश पद छोड़ने के बाद किसी राज्य के राज्यपाल का पद संभालेगा, कोई अन्य व्यक्ति एक महिला कर्मचारी द्वारा उसके खिलाफ लगाए गए गंभीर आरोपों पर खुद का न्याय करेगा, और अपने पद से मुक्त होने के बाद, वह राज्यसभा में सदस्यता स्वीकार करेगा। एक न्यायाधीश खुले तौर पर धार्मिक रुख अपनाएगा और कोई अन्य व्यक्ति पद से इस्तीफा दे देगा और अगले दिन चुनावी मैदान में उतरेगा। एक अन्य महिला न्यायाधीश का कहना है कि किसी महिला के स्तनों को छूना और उसके कमर के कपड़े की नब्ज को छोड़ना बलात्कार का प्रयास नहीं है। सुप्रीम कोर्ट भी जज की बलात्कार की 'परिभाषा' को सबसे घृणित कृत्य के रूप में मानता है और न्यायाधीश का मनोबल गिराता है। और अब, न्याय के एक ही देवता की दिव्यता की एक श्रृंखला में, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के घर के चारों ओर नकदी चलने का आरोप है, और न्यायपालिका उग्र आग को बुझाने के लिए एक ही रन शुरू करती है। यह हमारी वर्तमान न्यायिक प्रणाली की एक गंभीर तस्वीर है। कई लोग अधिक उदाहरण जोड़ने और उन्हें अधिक रोचक और रोचक बनाने के लिए ललचाएंगे। मसलन, निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों को लेकर अपने कार्यकाल के अंतिम दिन एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश का फैसला। लेकिन अदालतों के बारे में चर्चा पर कानूनी बाधाओं के कारण इन या कई अन्य निर्णयों पर चर्चा नहीं की जाती है। फिर भी इसके बारे में जो कहा जाता है उससे न्यायपालिका के प्रति सम्मान नहीं बढ़ता है।

यदि किसी न्यायाधीश के घर में नोटों का ढेर पाया जाता है, तो यह इस गिरावट का एक स्पष्ट संकेतक है। न्याय का देवता खुद को इस गिरावट की जिम्मेदारी से नहीं बचा सकता। दुर्भाग्य से, ऐसा लगता है। इसलिए, इससे पहले कि हम वास्तव में यह पता लगा सकें कि न्यायाधीश के घर में वास्तव में इतनी नकदी मिली थी या नहीं, इस मामले से निपटने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के प्रयास बेकार हैं, जिसमें कई मुद्दे शामिल हैः सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस घटना को मीडिया द्वारा उजागर किया गया था, न्यायाधीश के घर में आग लग गई, और इसे बुझाने के प्रयासों में नकदी पकड़ी गई। ऐसा कहा जाता है। अब तो फायर ब्रिगेड भी इस बात से इनकार कर रही है कि ऐसा कुछ हुआ है और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट को भी इसकी सत्यता पर संदेह है। अगर यह मान लिया जाए कि वे सच हैं, तो सवाल यह है कि क्या उच्च न्यायालय ने वास्तव में सोचा था कि न्यायाधीश से पूछताछ की जानी चाहिए? जिस स्थिति में सब कुछ ठीक चल रहा हो, किसी के चरित्र के बारे में कोई संदेह नहीं है, वहां जांच का आदेश नहीं दिया जाता है। यानी जांच इसलिए की गई क्योंकि दिल्ली उच्च न्यायालय को कुछ संदेह था। तब करेंसी नोटों का ये मामला सामने आया और फिर इस ट्रांसफर की सिफारिश और नोटों की खोज के बीच कोई संबंध नहीं था। यह बाद में कहा गया था। यह बचाव बहुत स्कूली है। न्यायपालिका से इस तरह के दमदार तर्क की उम्मीद नहीं की जाती है। इलाहाबाद बार काउंसिल द्वारा उठाया गया मुद्दा बचाव पक्ष के तर्कों के झूठ को दर्शाता है। क्या इलाहाबाद उच्च न्यायालय कूड़े का ढेर है? यह वकीलों के संघ का सवाल है। यह बहुत वैध है।

क्योंकि अगर इस जज के कार्यों में कुछ भी गलत है, तो केवल स्थानांतरण इस पर पहली प्रतिक्रिया कैसे है? यह क्यों माना जाना चाहिए कि माननीय न्यायाधीश कथित नकदी को इकट्ठा करने की कोशिश नहीं करेंगे जो यह न्यायाधीश दिल्ली उच्च न्यायालय में रहते हुए जमा करने में सक्षम था? यह एक विभाग में भ्रष्टाचार के आरोपी मंत्री को पोर्टफोलियो बदलने के लिए छोड़ने जैसा है। वास्तव में, न्यायाधीशों की तुलना मंत्रियों से और सर्वोच्च न्यायालय की मुख्यमंत्री/प्रधानमंत्री से तुलना करने का समय राजनेताओं की पदोन्नति नहीं है। यह न्यायपालिका का पतन है। इसे अमान्य नहीं किया जा सकता है। यदि आप नहीं चाहते कि ऐसा हो, तो सुप्रीम कोर्ट को इन महत्वाकांक्षी न्यायाधीशों को केवल स्थानांतरण के लिए हमसे रिहा कर देना चाहिए। यह एक ही 'सजा' पर नहीं होना चाहिए। चाहे वह विधानमंडलों के अध्यक्ष हों या राज्यपाल हों या चुनाव आयोग हों या न्यायाधीश, इस वर्ग को भी पचा लिया गया है और कान में गांठ डाल दी गई है। सुप्रीम कोर्ट के कान-टू-कान उनकी परवाह नहीं करते हैं। इसका मतलब है कि इस वर्ग को कड़ी सजा देने का समय आ गया है। सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार देर रात संकेत दिया कि इन जजों की जांच गोपनीय नहीं होगी। यह स्वागत योग्य है, लेकिन कुल मिलाकर उच्चतम न्यायालय को चूककर्ताओं के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए और एक उदाहरण स्थापित करना चाहिए।

इसके बजाय, सुप्रीम कोर्ट के इस तर्क को बर्दाश्त करना मुश्किल होगा कि हम अपनी नियुक्तियां करेंगे, कि हम अपने खिलाफ आरोपों की जांच करेंगे और हम उनका न्याय भी करेंगे। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ यह सुझाव देते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एक स्वतंत्र एजेंसी के माध्यम से न्यायाधीशों की नियुक्ति करने के केंद्र सरकार के फैसले को पलट दिया और न्यायपालिका के माध्यम से उन्हें जारी रखने का फैसला किया। यानी सिद्धांत रूप में, वरिष्ठ न्यायाधीशों का एक समूह कनिष्ठों का चयन करेगा। दाएँ। क्योंकि अगर यह आरोप केंद्र सरकार के पास भी जाता है तो अदालतों को चुनाव आयोग बनने में देर नहीं लगेगी। इसलिए न्यायिक व्यवस्था सही है। लेकिन अगर इसकी पवित्रता को बरकरार नहीं रखा जाता है और न्यायाधीशों को 'एक को ढंकने, दूसरे को हटाने' के लिए नियुक्त किया जाता है, तो न्यायाधीशों की आत्मनिर्णय की शक्ति को कम करने की मांग बढ़ेगी और सरकार इस 'लोगों' का सम्मान करने के लिए न्यायपालिका को और मजबूत करेगी। लोकतंत्र को बचाने की जिम्मेदारी एक बार होने दें; लेकिन कम से कम सुप्रीम कोर्ट में न्याय के देवता की अवज्ञा को रोकने का साहस होना चाहिए, अन्यथा भविष्य मुश्किल होगा।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के सदस्यों ने कहा है कि अगर वर्मा का तबादला होता है तो न्यायपालिका की छवि खराब होगी क्योंकि चाहे वह न्यायपालिका हो या सरकार या कोई संस्था, उसका नाम और उसकी प्रतिष्ठा धारणा पर निर्भर करती है। यदि यह चला जाता है, तो इसे पुनर्प्राप्त नहीं किया जा सकता है चाहे कुछ भी किया जाए। न्यायपालिका में पारदर्शिता और जवाबदेही आवश्यक है और इसीलिए इस मुद्दे पर राज्यसभा में चर्चा की जाएगी। लेकिन सिर्फ मुद्दे पर चर्चा करने का कोई फायदा नहीं है। इसलिए यदि वे दोषी हैं, तो उन्हें दंडित किया जाना चाहिए और इस तरह देखा जाना चाहिए। चाहे वह वर्मा हों या न्यायाधीश, साधारण अपराधी नहीं हैं, बल्कि न्यायिक प्रणाली में उच्च पदों पर काम करने वाले लोग हैं। उन्हें उचित रूप से दंडित किया जाना चाहिए। क्योंकि दिन के अंत में, सीज़र को सबसे ऊपर होना चाहिए और उसका जीवन संदेह में होना चाहिए। यह न्याय प्रणाली में सीज़र का काम है। ऊपर उल्लिखित न्यायाधीश को स्थानांतरित करना गलत है, भले ही उनकी बेगुनाही साबित नहीं हुई हो। इसलिए सभी भारतीयों का कहना है कि उनके बारे में सही फैसला उनकी पर्याप्त बेगुनाही साबित करने के बाद ही लिया जाना चाहिए। क्योंकि न्यायपालिका सर्वश्रेष्ठ है और इस अवसर पर न्यायपालिका की परीक्षा ली गई है।

समाज में गौरव का प्रतीक बनते दहेज शून्य विवाह

अनुकरणीय

बलदेव राज भारतीय

लेखक स्तंभकार हैं।

विवाह, भारतीय संस्कृति में केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों का एक पवित्र संगम माना जाता है। यह एक ऐसा संस्कार है, जो न केवल दो हृदयों को जोड़ता है, अपितु दो परिवारों की परंपराओं, मूल्यों और भावनाओं को एक सूत्र में बांधता है। सनातन काल से ही मनुष्य ने इस बंधन को पाणिग्रहण संस्कार के माध्यम से परिवार नामक संस्था की आधारशिला के रूप में स्थापित किया। यह परंपरा न केवल सामाजिक व्यवस्था को सुदृढ़ करती थी, बल्कि मानवीय संबंधों को भी गहराई प्रदान करती थी। वैदिक काल में विवाह को आठ प्रकारों में वर्गीकृत किया गया था, जो उस समय की सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक मान्यताओं का प्रतिबिंब थे। ये आठ प्रकार थे–ब्रह्म विवाह, देव विवाह, आर्ष विवाह, प्रजापत्य विवाह, असुर विवाह, गंधर्व विवाह, राक्षस विवाह और पैशाच विवाह। इनमें से पहले चार प्रकार–ब्रह्म, देव, आर्ष और प्रजापत्य–को ही श्रेष्ठ और सम्मानजनक माना जाता था, क्योंकि ये धर्म, नैतिकता और पारिवारिक मर्यादा पर आधारित थे। शेष चार प्रकार, जो बल, धन या अनैतिकता से प्रेरित थे, समाज में कम स्वीकार्य थे। आज भी प्रजापत्य विवाह की पद्धति, जिसमें कन्या का सम्मान और परिवारों की सहमति सर्वोपरि होती है, भारतीय समाज में प्रचलन में देखी जा सकती है।

विवाह के इस पवित्र संस्कार के साथ कई परंपराएं जुड़ी थीं, जिनमें से एक थी कन्या को उसके पिता द्वारा दी जाने वाली संपत्ति, जिसे 'स्त्री धन' कहा जाता था। यह धन पिता अपनी सामर्थ्य और इच्छा के अनुसार कन्या को प्रदान करता था, ताकि वह अपने नए जीवन में आत्मनिर्भर और सम्मानित रह सके। यह प्रथा मूल रूप से कन्या के कल्याण और सुरक्षा के लिए शुरू की गई थी, लेकिन समय के साथ इसका स्वरूप विकृत हो गया। धीरे-धीरे यह परंपरा दहेज प्रथा के रूप में परिवर्तित हो गई, जो आज भारतीय समाज की एक गंभीर समस्या बन चुकी है। यह वह कुप्रथा बन गई, जिसने न जाने कितने परिवारों को तबाह किया और कितनी नववधुओं के जीवन को असमय समाप्त कर दिया। समाज में बढ़ते आडंबर, दिखावे और लालच ने इस प्रथा को और भी भयावह बना दिया। दहेज की मांग पूरी न होने पर बहुओं को प्रताड़ित करना, उनकी हत्या करना या उन्हें आत्महत्या के लिए मजबूर करना जैसे जघन्य अपराध इस प्रथा के दुष्परिणाम बन गए। समाचार पत्रों में अक्सर ऐसी खबरें छपती थीं, जो समाज की इस कुरूपता को उजागर करती थीं। यह विडंबना ही थी कि एक ओर समाज में दहेज को लेकर चिंता व्यक्त की जाती थी, वहीं दूसरी ओर यह प्रथा थमने का नाम नहीं ले रही थी।

इतिहास में समय-समय पर समाज सुधारकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इस कुप्रथा को समाप्त करने के लिए अथक प्रयास किए। राजा राममोहन राय, ईश्वरचंद्र विद्यासागर जैसे महान सुधारकों ने नारी सम्मान और सामाजिक समानता के लिए आवाज उठाई। आधुनिक काल में भी कई संगठनों और व्यक्तियों ने दहेज प्रथा के खिलाफ अभियान चलाए। सरकार ने भी इस दिशा में कदम उठाते हुए दहेज निषेध अधिनियम, 1961 जैसे कानून बनाए, जिसके तहत दहेज लेना और देना दोनों को अपराध घोषित किया गया। लेकिन इन प्रयासों के बावजूद, यह प्रथा पूरी तरह समाप्त नहीं हुई। कई बार यह देखा गया कि जो लोग सार्वजनिक मंचों पर दहेज प्रथा का विरोध करते थे, वे स्वयं अपने निजी जीवन में इससे मुक्त नहीं रह पाते थे। यह दोहरा चरित्र समाज में व्याप्त पाखंड को दर्शाता था। एक ओर लोग इसे सामाजिक बुराई मानते थे, वहीं दूसरी ओर अपने बच्चों के विवाह में दहेज की मांग या प्रदर्शन को उचित ठहराते थे। इस तरह की विडंबनाओं ने समाज को और भी गहरे संकट में डाला।

हालांकि, समय के साथ समाज में सकारात्मक बदलाव भी देखने को मिल रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में दहेज के खिलाफ जागरूकता बढ़ी है और लोग इस कुप्रथा को त्यागने की दिशा में कदम उठा रहे हैं। मेरे अपने अनुभव और जानकारी के आधार पर, पिछले तीन-चार वर्षों में कई ऐसे विवाह हुए हैं, जो न्यूनतम खर्च और सादगी के साथ संपन्न हुए। इनमें से कुछ विवाह केवल एक नारियल और एक रुपये के शगुन के साथ संपन्न हुए, जो समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बन गए। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के पूर्व चेयरमैन श्री भोपाल खदरी ने अपने सुपुत्र मुकुल भारती का विवाह इसी सादगी के साथ संपन्न करवाया। उन्होंने न तो दहेज लिया और न ही कोई भव्य आयोजन किया। उनके इस कदम ने न केवल लोगों को प्रभावित किया, बल्कि कई अन्य परिवारों को भी प्रेरित किया। उनकी देखादेखी हरियाणा और आसपास के क्षेत्रों में कई और विवाह बिना दहेज के, केवल एक रुपये और नारियल के शगुन के साथ संपन्न हुए। यह सादगी न केवल दहेज प्रथा पर प्रहार थी, बल्कि समाज में व्याप्त दिखावे और आडंबर को भी चुनौती देती थी।

मेरे एक घनिष्ठ मित्र श्री रणधीर जी, जो एक प्राथमिक विद्यालय में अध्यापक के रूप में कार्यरत हैं, ने भी हाल ही में अपने पुत्र दुष्यंत का विवाह इसी सादगी के साथ संपन्न करवाया। रणधीर जी ने न केवल दहेज लेने से इनकार किया, बल्कि विवाह को केवल एक रुपये और नारियल के शगुन तक सीमित रखा। इतना ही नहीं, उन्होंने प्रीतिभोज के दौरान किसी भी अतिथि से शगुन का लिफाफा तक स्वीकार नहीं किया। यह उनके दृढ़ संकल्प और नैतिकता का परिचायक था। उनका यह कदम समाज में एक नई मिसाल बन गया। रणधीर जी का मानना है कि विवाह दो आत्माओं का मिलन है, न कि धन और संपत्ति का प्रदर्शन। उनकी यह सोच न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि समाज में बदलाव की एक नई उम्मीद भी जगाती है।

इस तरह के उदाहरण समाज में एक सकारात्मक संदेश प्रसारित करते हैं। यह परंपरा न केवल दहेज जैसी कुप्रथा पर अंकुश लगाने में सहायक होगी, बल्कि बेटियों को बोझ समझने की मानसिकता को भी बदलेगी। भारतीय समाज में लंबे समय से बेटियों के जन्म को लेकर नकारात्मक सोच रही है। दहेज की मांग ने इस सोच को और भी बढ़ावा दिया, क्योंकि माता-पिता को लगता था कि बेटी के विवाह के लिए उन्हें भारी धनराशि खर्च करनी पड़ेगी। लेकिन जब विवाह सादगी से और बिना दहेज के संपन्न होने लगेंगे, तो यह मानसिकता भी धीरे-धीरे खत्म होगी। बेटियां बोझ नहीं, बल्कि परिवार का गौरव समझी जाएंगी। यह बदलाव न केवल परिवारों को सशक्त करेगा, बल्कि समाज को भी एक नई दिशा देगा।

आज जरूरत है कि हम सभी मिलकर इस दिशा में प्रयास करें। सरकार, सामाजिक संगठन और व्यक्तिगत स्तर पर जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। शिक्षा के माध्यम से युवाओं को यह समझाना होगा कि विवाह का आधार प्रेम, सम्मान और समानता होना चाहिए, न कि धन और संपत्ति। साथ ही, ऐसे लोगों को सम्मानित करना होगा जो सादगी से विवाह संपन्न करते हैं और दहेज जैसी कुप्रथा को नकारते हैं। जब समाज में ऐसे उदाहरण बढ़ेंगे, तो धीरे-धीरे यह प्रथा अपने आप समाप्त हो जाएगी। यह एक लंबी प्रक्रिया हो सकती है, लेकिन असंभव नहीं है। श्री भोपाल खदरी और श्री रणधीर जी जैसे लोग इस बदलाव के अग्रदूत हैं, जो हमें दिखाते हैं कि सही मायनों में विवाह दो परिवारों का मिलन है, न कि धन का लेन-देन।

अंत में, यह कहना उचित होगा कि विवाह केवल एक संस्कार नहीं, बल्कि एक सामाजिक उत्तरदायित्व भी है। इसे सादगी और सम्मान के साथ निभाकर हम न केवल अपने परिवारों को सुखी रख सकते हैं, बल्कि समाज को भी एक बेहतर दिशा दे सकते हैं। दहेज जैसी कुप्रथा को समाप्त करने के लिए हमें स्वयं से शुरुआत करनी होगी। जब हर व्यक्ति इस संकल्प को अपनाएगा, तभी हम एक ऐसे समाज का निर्माण कर पाएंगे, जहां बेटियां सम्मान की पात्र होंगी और विवाह सही मायनों में दो दिलों और दो परिवारों का पवित्र बंधन कहलाएगा।

पानी की टंकी भर गई है.....

कटाक्ष

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

बात यह है कि बीते दिनों मेरी नातिन अपने ननिहाल में आई। उस दौरान उसे पानी की टंकी भर जाने का अलार्म 'पानी की टंकी भर गई है, कृपया मोटर बंद कर देवे' बहुत पसंद आया। वह बार-बार इस उद्घोष को दोहराने लगी। अब जब वह अपने घर आंगन में है, और उससे लगातार वीडियो कॉल पर बात होती रहती है, मैं इस उद्घोष को दोहराया करता हूं। वह चहक उठती है और मैं खिलखिलाते हुए आनंद के महासागर में डूब जाता हूं। खैर, इसी तर्ज पर मन में यह विचार आता है कि सचमुच देश के हर किसी क्षेत्र में विकृति की टंकी भर गई है। कोई क्षेत्र ऐसा नहीं रहा जहां टंकी पूर्ण रूप से नहीं भर गई हो।

अब किस-किस विषय की बात करें, हर जगह अति होने लगी है। भ्रष्टाचार और महंगाई की टंकी तो इस कदर भर गई है कि वह संपूर्ण परिवेश में हर किसी को उद्वेलित कर रही है। दरअसल हर एक नकारात्मक बात एक सीमा तक ही सहन की जा सकती है। ऐसे में जब अति होने लगे तो फिर रायता इस कदर फैलता है कि बाकी तमाम चीजों का स्वाद बिगाड़ देता है। अब देखिए न, भ्रष्टाचार की टंकी भर गई तो अस्त्र-तत्र-सर्वत्र भ्रष्टाचार ही भ्रष्टाचार ही फैल गया। यही हाल महंगाई का भी हो गया। इधर एक चीज महंगी हुई नहीं कि दूसरी चीजों के भाव भी बढ़ने लगे।

चतुर सुजान कहते हैं कि अति हर चीज की बुरी होती है। ज्यादा अमृत पान भी सेहत के लिए अच्छा नहीं होता। हर चीज अपने दायरे में ही सुहानी होती है। अब कोई सत्यवादी हरिश्चंद्र की तर्ज पर विशुद्ध रूप से सत्यवादी बनना चाहे, तो कोई आश्चर्य नहीं कि उसे लेने के देने पड़ जाए। आटे में नमक तो हर कोई मिलाएं, आमतौर पर किसी को कोई खास आपत्ति नहीं होती। लेकिन इस समय यह तय कर पाना मुश्किल है कि आटे में नमक मिलाया गया है या नमक में आटा मिलाया गया है। आदमी की मनःस्थिति ही ऐसी हो गई है कि आजकल आटे और नमक का चोली दामन का साथ है।

जब हमारा कभी सतयुग में जन्म हुआ होगा तो हमने देखा ही होगा कि नैतिकता और शिष्टाचार की टंकी भर गई थी। लेकिन कलयुग में टंकियां बदल दी गई। आजकल नैतिकता और शिष्टाचार की टंकी नहीं भरा करती अपितु तामसी वृत्ति और उज्जड़पन की टंकी देखते ही देखते भर जाती है और सामाजिक जीवन में रायता फैल जाता है। खोजी नजरों से जब कभी इधर-उधर देखता हूं, तो पाता हूं कि ईमान की टंकी खाली है। इस टंकी के खाली रहने के चलते ईमान की सुगंध से हर कोई वंचित है। लेकिन बेईमानी की टंकी के फैलते पानी ने लगभग हर किसी को तरबतर कर दिया है।

हालत यह है कि जिसने जो अधिकार पाया है, किसी न किसी कीमत पर पाया है। इसके चलते उसका मुनाफा जोड़कर वसूली एक वजनदार तर्क बन गया है। हालांकि कभी-कभी सदाचार का घटनाक्रम भी दिखाई देता है। लेकिन केवल और केवल अखबार के पन्नों पर। वह भी इसलिए कि अखबार की दुनिया वालो के लिए कुत्ते का आदमी को काटना कोई खबर नहीं है, लेकिन आदमी का कुत्ते को काटना एक बड़ी खबर होती है। इसके चलते हम अखबार में पढ़ते हैं कि कहीं सदाचार का घटनाक्रम घटित हो गया। ऐसी खबर हमारे लिए एक प्रकार से किसी अजूबे से कम नहीं होती।

सोचता हूं, अब तो स्वच्छ पानी की टंकी कभी नहीं भर सकती। वैसे व्यवस्था का यह दावा होता है कि पानी जो फैल रहा है, वह पीने और आचमन योग्य है। लेकिन इस बारे में बहुमत वालों की धारणा अलग होती है और अल्पमत वालों की धारणा अलग होती है। लेकिन जैसे ही इधर वाला उधर और उधर वाला इधर होता है, पलक झपकते ही इनकी अपनी पूर्व धारणा तत्काल प्रभाव से बदल जाती है। काश कि कोई ऐसी मोटर चालू कर देवे कि सदाचार की टंकी भराने लगे और भ्रष्टाचार की टंकी का पानी पूरी तरह से खाली हो जाए। अन्यथा जो खबर आज सकारात्मक रूप से देखने में आती है, भविष्य में कभी नहीं दिखाई देगी।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

नैंसी तो केवल अपने लिखे में जान डालना चाहती थी

व्यंग्य

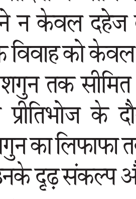

मुकेश नेमा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

एक खबर के मुताबिक़ अमेरिका की अड़सठ साल की नैंसी क्रैंपटन ब्रॉफी केवल इसलिये गिरफ्तार कर ली गई क्योंकि उन्होंने अपने पति की गोली मार कर हत्या की। जैसा मैंने नैंसी के बारे में जाना वो पढ़ी लिखी संभ्रांत और लोकप्रिय महिला हैं। जिस पति को मारा उन्होंने वो उनका अपना था। ज़िंदा रहने तक उनका पति था। जाहिर है अपने निजी पति को मार डालने जैसी मामूली बात पर उन्हें गिरफ़्तार करना आश्चर्यजनक है।

रोमांटिक और सस्पेंस उपन्यास लिखने वाली नैंसी की भलमनसाहत देखिए। उन्होंने इस बाबत खूब सोचा। दिमाग़ ठंडा रखा। पति की हत्या कैसे की जाए ? सबूत कैसे मिटाये जाए और पुलिस से कैसे बचा जा सकता है इस बाबत एक अपने पति की हत्या कैसे करें शीर्षक से एक बडा सा निबंध भी लिखा। वे चाहती थी कि बाकी महिलाये भी उनसे सीखें। और इस नेक काम को अंजाम देने के पहले उन्हे इस बाबत पूछताछ करने के लिये कहीं भटकना ना पड़े।पति की हत्या कैसे करें जैसा ललित निबंध निबंध उनके पति ने भी पढ़ा ही होगा। वैसे ही एवरेज पति टाईप के रहे होगे वे जो अपनी पत्नी की बातों को अनदेखा करते है।ऐसे पति मार डालने जैसी चीज ही होते हैं।

नैंसी की सहनशीलता की तारीफ तो होना ही चाहिए। ये काम वो पति हासिल होने के बाद फौरन निपटा सकती थी। पतियों के जो लच्छन होते है उनका और किया भी क्या जा सकता है ? इस धैर्यशील महिला ने अडसठ साल की उम्र तक अपने पति को बर्दाश्त किया ये अपने आप में बड़ी बात है।

नैंसी को यह काम अमेरिकी वकीलों के कारण भी करना पड़ा। जैसा कि उन्होंने बाद में पुलिस को बताया उन्होंने तलाक लेना ज्यादा मंहगा होने के कारण हत्या जैसे सस्ते विकल्प को चुना। इससे यह बात तो साफ है कि ये भली महिला दूरदर्शी और किफायत पसंद है। इस कारण पति को मार देना यदि गलती मानी भी जाये तो इसका मुकदमा उसके बजाय अमेरिकी वकीलो पर चलना चाहिए।

नैंसी के व्यवहार कुशल ,दयालु और सामाजिक होने से भी इनकार नहीं किया जा सकता। पति की हत्या के फौरन बाद ,यह तय कर लेने के बाद कि वो वाकई मर गया है ,वो दुखी भी हुई। और दुखी होते हुये फेसबुक पर पति की मौत की सूचना भी दी। लोगों की सांत्वनायें हासिल की। अफ़सोस जाहिर करने आए शरीफ लोगों को धन्यवाद भी कहा। अकेली रह गयी नेक महिला की गिरफ्तारी की खबर से मुझे भी दुख हुआ है।

खबर में यह बात कही साफ की नही गई है कि नैंसी के मार्फत टाईम से पहले स्वर्गीय हुये उनके पति की गलती क्या थी ? मोटी रकम का बीमा करवाने के अलावा पति होने को भी गलती में शुमार किया जा सकता है। दुनिया की हर बीबी अपने पति को गलती मानती है और कायदे की बात यही कि जब भी मौका मिले गलती सुधार ली जाना चाहिए।

नैंसी के पति डेनियल ब्रॉफी शैफ थे। मुमकिन है वो नैंसी की पसंद के मुताबिक़ खाना बनाने में नानुकर करते हो। ये भी हो सकता है नैंसी के पति को पढ़ने लिखने में दिलचस्पी ना हो। वो अपनी पत्नी के लिखे की तारीफ ना करता हो। ऐसे अनपढ़ पति का कोई भी सभ्य ,विदुषी महिला और कर भी क्या सकती है ? और फिर यह बात भी गौरतलब है कि नैंसी जिस देश की रहने वाली है वहाँ ,पढ़े लिखे ,सलीके वाले दूसरे तीसरे शौहर मिलना मामूली सी बात है। ज़ाहिर है नैंसी एक अनपढ़ से दूरी बनाकर साक्षरता की तरफ़ जाने की कोशिश भर कर रही थी। और इस मायने में उनकी तारीफ़ ही की जाना चाहिए।

ऐसे पति हमारे यहाँ भी बड़ी तादाद में पाये जाते है। और नैंसी के पति की तरह ही सद्गति के योग्य भी होते है। पर हमारे यहाँ की पत्नियाँ ऐसे इरादे रखने के बावजूद उनके लिये करवा चौथ व्रत रखकर उन्हे जिलाये रखती है। वे मानती है कि पति को जिंदा बनाये रखना उसके लिये ज्यादा बड़ी सजा है।

नैंसी को वहां के जज ने आजीवन कारावास की सजा दी। मुझे नहीं लगता ये न्याय है। नैंसी को माफ कर देना चाहिए। वो केवल अपने लिखे में जान डालना चाहती थी। ये सत्य के साथ मेरे प्रयोग जैसा ऐतिहासिक कार्य है। पति को मार देना इतनी बड़ी गलती भी नहीं। गलती ऐसा करने में इतनी देर करना है। गलती निबंध लिखना है। मैं उम्मीद करता हूँ उनसे प्रेरणा लेने वाली महिलायें ऐसी बड़ी चूक करने से बचेगी और जीवन का बाकी समय साहित्य और फेसबुक को दे सकेगी।

सामयिक

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक स्तंभकार हैं।

हास्य, असहमति और लोकतंत्र: क्यों जरूरी है मुक्त अभिव्यक्ति?

शिवसेना का अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से विरोधाभासी रिश्ता रहा है। अपने शुरुआती दिनों से ही यह दल अपनी विचारधारा से इतर जाने वाली हर कला और आलोचना पर हमलावर रहा है। प्रल्हाद केशव अत्रे और पु. ल. देशपांडे जैसे महाराष्ट्रीयन दिग्गजों तक को इसकी तीखी आलोचना का सामना करना पड़ा था। बाल ठाकरे स्वयं एक कार्टूनिस्ट रहे थे, लेकिन जब यह कला उनके खिलाफ गई, तो उन्होंने असहिष्णुता दिखाते हुए इसे रोकने के लिए हर संभव प्रयास किया। आज शिवसेना दो धड़ों में विभाजित हो चुकी है, लेकिन अभिव्यक्ति पर हमलों की प्रवृत्ति जस की तस बनी हुई है।

मुंबई के खार स्थित हैबिटैट कॉमेडी क्लब में शिवसेना के सदस्यों द्वारा स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा के शो नया भारत के विरोध में की गई तोड़फोड़ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर एक और हमला है। यह घटना तब और भी गंभीर हो जाती है जब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस न केवल इस हमले की निंदा करने से बचते हैं, बल्कि कामरा के हास्य प्रदर्शन को ही 'अमर्यादित आचरण' करार देते हैं। यह घटनाक्रम उस प्रवृत्ति को दर्शाता है जिसमें सत्ता के प्रति असहमति रखने वाले कलाकारों को कानूनी मामलों, धमकियों और हमलों के जरिए चुप कराने का प्रयास किया जाता है। यही नहीं, मुंबई महानगरपालिका द्वारा हैबिटैट कॉमेडी क्लब में तथाकथित अवैध निर्माण को गिराने की कार्रवाई इस रणनीति का हिस्सा प्रतीत होती है, जिसमें कलाकारों को डराने के लिए न्यायिक और प्रशासनिक हथियारों का उपयोग किया जाता है।

शिवसेना और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का द्वंद्व

शिवसेना का अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से विरोधाभासी रिश्ता रहा है। अपने शुरुआती दिनों से ही यह दल अपनी विचारधारा से इतर जाने वाली हर कला और आलोचना पर हमलावर रहा है। प्रल्हाद केशव अत्रे और पु. ल. देशपांडे जैसे महाराष्ट्रीयन दिग्गजों तक को इसकी तीखी आलोचना का सामना करना पड़ा था। बाल ठाकरे स्वयं एक कार्टूनिस्ट रहे थे, लेकिन जब यह कला उनके खिलाफ गई, तो उन्होंने असहिष्णुता दिखाते हुए इसे रोकने के लिए हर संभव प्रयास किया। आज शिवसेना दो धड़ों में विभाजित हो चुकी है, लेकिन अभिव्यक्ति पर हमलों की प्रवृत्ति जस की तस बनी हुई है।

यह विडंबना ही है कि जिस दौर में डिजिटल तकनीक और सोशल मीडिया पूरी दुनिया को जोड़ रहे हैं, उसी दौर में भारत में विचारों की अभिव्यक्ति का दायरा सिमटता जा रहा है। कॉमेडी, जो मूलतः समाज की कुरीतियों और राजनीतिक विसंगतियों पर हास्य के माध्यम से कटाक्ष करने की विधा है, आज राजनीतिक और सामाजिक ताकतों के निशाने पर आ गई है।

न्यायपालिका की भूमिका और सरकारी दखल

हालांकि श्रेया सिंघल बनाम भारत सरकार (2015) मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आईटी एक्ट की धारा 66ए को निरस्त कर यह स्पष्ट किया था कि राज्य अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर मनमाना अंकुश नहीं लगा सकता, लेकिन वास्तविकता इससे अलग है। पिछले कुछ वर्षों में कलाकारों, विशेषकर स्टैंड-अप कॉमेडियन्स, के खिलाफ लगातार हमले बढ़े हैं। हास्य, जो मूल रूप से समाज और सत्ता की विसंगतियों पर कटाक्ष करने का माध्यम है, आज राजनीतिक और सामाजिक ताकतों के निशाने पर आ गया है।

वीर दास को 2021 में उनके वाशिंगटन डीसी में किए गए 'टू इंडियाज' शो के बाद देशद्रोह के आरोपों और कानूनी मुकदमों का सामना करना पड़ा। उन्होंने केवल भारत के सामाजिक और राजनीतिक विरोधाभासों को व्यंग्य के रूप में प्रस्तुत किया था, लेकिन इसे राष्ट्रविरोधी करार दिया गया। इसी तरह, मुनव्वर फारूकी को इंदौर पुलिस ने सिर्फ एक शिकायत के आधार पर गिरफ्तार कर लिया, जबकि उनके कथित आपत्तिजनक मज़ाक को उन्होंने मंच पर बोला ही नहीं था। उन्हें महीनों तक जेल में रहना पड़ा और उनके कई शो रद्द कर दिए गए।

अग्रीमा जोशुआ को भी 2019 में छत्रपति शिवाजी महाराज पर कथित टिप्पणी के कारण धमकियों और दवाब का सामना करना पड़ा, जिसके चलते उन्हें सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी। अब कुणाल कामरा का मामला इसी प्रवृत्ति को आगे बढ़ाता है, जहां न केवल उनके शो के विरोध में तोड़फोड़ की गई, बल्कि उनके खिलाफ भी एफआईआर दर्ज कर दी गई। यह घटनाएं दर्शाती हैं कि राज्य असहिष्णु तत्वों को संरक्षण दे रहा है, और कलाकारों की स्वतंत्रता को नियंत्रित करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है।

कॉमेडी और लोकतंत्र: हास्य का महत्व

लोकतंत्र में हास्य सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं होता, बल्कि यह सामाजिक और राजनीतिक आलोचना का एक सशक्त माध्यम भी है। दुनियाभर में स्टैंड-अप कॉमेडी का उपयोग सत्ता, सामाजिक पाखंड, भ्रष्टाचार और अन्याय पर कटाक्ष करने के लिए किया जाता रहा है। अमेरिका में जॉन स्टीवर्ट, ट्रेवर नोआ, बिल माहेर, ब्रिटेन में रसेल ब्रांड, और भारत में राहुल सुब्रमण्यन, ज़ाकिर खान, कुणाल कामरा जैसे कलाकार समाज और राजनीति पर व्यंग्य करते हैं। लेकिन जब सत्ता या समाज आलोचना को बर्दाश्त करने की क्षमता खो देता है, तो हास्य कलाकारों को या तो चुप कराया जाता है या डराया-धमकाया जाता है। इसीलिए, कुणाल कामरा जैसे कॉमेडियन्स पर हमले न केवल एक कलाकार पर हमला हैं, बल्कि यह लोकतंत्र की आत्मा पर भी एक आघात है।

संकीर्णता बनाम उदार मुंबई

मुंबई को माया नगरी कहा जाता है। यह शहर न केवल सपनों का शहर है, बल्कि यह अवसरों, विविधताओं और खुलेपन का भी प्रतीक है। इसी मुंबई ने बॉलीवुड, थिएटर, उर्दू शायरी, मराठी साहित्य और आधुनिक कला को संजोकर रखा है। यह शहर कई विरोधाभासों को समेटे हुए है, और यही इसकी सबसे बड़ी खूबसूरती भी है। लेकिन जब इस शहर में असहमति और आलोचना के लिए जगह नहीं बचती, तो यह उसकी मौलिकता पर हमला होता है। अगर मुंबई में कलाकारों और बुद्धिजीवियों को स्वतंत्र रूप से बोलने का अधिकार नहीं मिलता, तो यह केवल मनोरंजन जगत के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए खतरनाक संकेत है।

संस्कृति उद्योग पर असर

भारत की संस्कृति और मनोरंजन उद्योग दुनियाभर में प्रसिद्ध है। सिनेमा, संगीत, थिएटर, और साहित्य ने देश की छवि को वैश्विक स्तर पर मजबूत किया है। लेकिन जब कलाकारों पर असहिष्णुता हावी होने लगती है, तो यह पूरी रचनात्मक शक्ति को प्रभावित करती है। कॉमेडी की दुनिया में हो रहे हमले यह साबित करते हैं कि भारत में कलात्मक स्वतंत्रता केवल कागजों तक सीमित रह गई है। सरकारें या तो ऐसे हमलों की अनदेखी करती हैं या फिर स्वयं इसमें सहभागी बनती हैं। यह प्रवृत्ति लंबे समय तक जारी रही तो भारत की संस्कृति उद्योग की साख को गहरा नुकसान हो सकता है।

क्या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बच पाएगी?

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सिर्फ एक कानूनी अधिकार नहीं है, बल्कि यह एक लोकतांत्रिक समाज की नींव भी है। एक समाज जितना अधिक असहिष्णु होगा, वह उतना ही अधिक अविकसित और ठहरा हुआ होगा।कुणाल कामरा पर हमले और उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को केवल एक अकेली घटना मानना भूल होगी। यह एक गंभीर प्रवृत्ति की ओर संकेत करता है, जिसमें सत्ता और समाज अपनी आलोचना सहने की क्षमता खोते जा रहे हैं। अगर भारत को वास्तव में वैश्विक सांस्कृतिक शक्ति बनना है, तो उसे असहमति और आलोचना को स्वीकार करने की संस्कृति को मजबूत करना होगा। अन्यथा, एक ऐसा समाज जिसमें कलाकार डर के साये में काम करें, वह कभी भी सृजनशीलता की ऊंचाइयों तक नहीं पहुंच सकता।क्योंकि, जैसा कि जॉर्ज ऑरवेल ने कहा था– 'हास्य मरते ही स्वतंत्रता भी मर जाती है।'

मुद्दा

अंबिका कुशवाहा 'अंबी'

किस ओर जा रहा समाज?

आइए! आज बात करते हैं विकसित भारत की। भारत की आज़ादी के 77 वर्ष बीत गए। इतने वर्षों में जनसंख्या भी बढ़ी और हमारा जीवन स्तर भी आधुनिक हो गया। आज विश्व के अन्य देशों के साथ हम भी वैज्ञानिक युग की राह पर हैं। परन्तु क्या सच में बदलाव आया? कुछ समय पहले तक मनोरंजन के लिए टेलीविज़न और रेडियो हुआ करते थे। लगभग हर घर के बच्चे और युवा गुल्ली-डंडा, खो-खो, लूडो, कैरम खेला करते थे। लेकिन आज के तकनीकी युग में, जहां हर हाथ में स्मार्टफोन है, हम बहुत आगे बढ़ चुके हैं। इस युग में हर चीज़ मशीनी हो गई है, चाहे वह खेल हो, पढ़ाई हो या मनोरंजन। इंटरनेट और सोशल मीडिया के इस दौर में खबरें और लोगों की मानसिकता हवाई जहाज़ से भी तेज उड़ रही हैं।

तकनीक बढ़ी, शिक्षा बढ़ी, डिग्रियाँ भी बढ़ीं, और लोग डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, तथा जज जैसे ऊँचे पदों पर पहुँच रहे हैं। लेकिन हमारे समाज और उसकी मानसिकता में बदलाव क्यों नहीं आया? क्या डिग्रियाँ और पद सिर्फ़ कमाने का ज़रिया हैं? क्या स्वस्थ समाज के निर्माण की कोई ज़िम्मेदारी नहीं है?

स्त्री अस्मिता की लड़ाई सदियों से चली आ रही है, जिसमें आज भी हम पूरी तरह जीत नहीं सके हैं। लेकिन अब इस लड़ाई के बीच एक नई समस्या जुड़ गई है–'महिला कानून का दुरुपयोग।' स्त्री अस्मिता की सुरक्षा और समानता की जंग में जिन चीज़ों में सुधार लाना था, उसमें तो हम सफल नहीं हो पाए, लेकिन बराबरी की ज़िद्द कहें या बदले की भावना, एक नई सामाजिक गंदगी जन्म ले चुकी है। अब समझ नहीं आता कि महिलाओं के अधिकारों की बात की जाए या बराबरी की अंधी दौड़ में वे जो विवेकहीन रास्ते अपना रही हैं, उन्हें रोका जाए?

एक कहावत है, 'दुनिया चाँद पर चली गई और गाँव में अब भी डायन है।' आज भी हमारे समाज में लोग चाहे कितने भी पढ़े-लिखे क्यों न हों, आपसी रंजिश में माँ-बेटियों और बहनों को ही गाली देते हैं। पहले ये चीज़ें सिर्फ़ सुनने और बोलने तक सीमित थीं, लेकिन अब सोशल मीडिया के दौर में खुलेआम माँ-बहनों के नाम पर गालियाँ लिखी और बोली जा रही हैं। यहाँ कोई रोक-टोक नहीं है। अश्लीलता की सारी हदें पार की जा रही हैं।

इतना ही नहीं, सोशल मीडिया पर तो अब बड़े-बड़े 'जज' बैठे हैं, जो कोई भी न्यूज़ आते ही उसे वायरल कर इंसाफ़ कर देते हैं। इन्हें तर्क और तथ्य से कोई मतलब नहीं होता, क्योंकि ये स्वयंभू 'अंतर्यामी' होते हैं।

अब भी समाज के इंसाफ़ का अंतिम भरोसा देश की न्यायपालिका है। लेकिन अब इस पर से भी भरोसा उठने लगा है। न्याय का स्थान ईश्वरीय होता है, और यदि न्याय की कुर्सी पर कुंठित मानसिकता के लोग विराजमान हो जाएँ, तो वह भी शोषण का माध्यम बन जाती है।

आजकल जिस तरह से न्यायाधीशों के विवादास्पद बयान सामने आ रहे हैं, वे चिंता का विषय हैं। किसी ने कहा, 'पत्नी से अप्राकृतिक संबंध बनाना बलात्कार नहीं है।' किसी और ने कहा, 'लड़की के प्राइवेट पार्ट को हाथ लगाना बलात्कार जैसा नहीं है।' जब इस तरह की स्त्री-विरोधी मानसिकता वाले लोग न्याय की कुर्सी पर बैठे हों, तो इस देश की स्त्रियाँ उनसे न्याय की उम्मीद कैसे करें?

न्याय की कुर्सी पर बैठकर ऐसी बयानबाज़ी करने वालों को यह समझना चाहिए कि उनके ये शब्द पूरे समाज की महिलाओं का मानसिक शोषण करते हैं। ऐसा लगता है कि इस समाज में सड़क से लेकर कोर्ट तक, स्त्री अस्मिता सबसे सस्ती चीज़ है। अगर सच में न्याय की बात करनी है, तो सबसे पहले न्यायपालिका की गरिमा की रक्षा करनी होगी और कुंठित मानसिकता वाले व्यक्तियों को वहाँ पहुँचने से रोकना होगा।

जल से मेरा रिश्ता हर दिन नल दिवस के रूप में प्रकट होता है

वक्रोक्ति

सुधीर मोता

लेखक व्यंग्यकार हैं।

दिवस आ रहे जा रहे। कविता दिवस आया कविताओं को आदरांजलि दी दुनिया ने। फिर जल दिवस आया। जल दिवस पर पशोपेश रहा। जो स्वयं जल है उसे क्या और कैसे अंजलि दें? और जो स्वयं कविता में और जल में मग्न है वह क्या तो और जल लाये और जल ही को अर्पित करें? पर एक खबर अभी अभी हमने बड़े तालाब नामक जल भंडार किनारे टहलते हुए सुनी। क्रिकेट वालों ने बहुत ही बहुत उम्दा तरीके से ये काम किया जल दिवस पर। आईपीएल मैचों में गेंद पर लार लगाने की अनुमति दे दी गई है जो कि कोविड के समय से प्रतिबंधित थी। वे चाहते तो कोनो डब्बी में बंद किसी मलहम को ये काम दे सकते थे । एक और उत्पाद बाजार में आता, उसका कारोबार होता, खिलाड़ी इस उस कंपनी का लोगो ड्रेस पर चिपका कर पैसे कमा सकते। पर उन्होंने सारे संभावित मुनाफे को नजरअंदाज करते हुए मानव मुख के जल को ही यह मान दिया। और इसकी घोषणा को संचार माध्यमों ने प्रमुख स्थान दिया ।

22 मार्च को जल दिवस था ये हमें पहले मालूम नहीं था जैसे ही रेडियो और अखबार से पता चला, जी किया उछल कर आसपास जो भी हो उसके गाल चुंबनों से तर कर दें। पर पास में कोई नहीं था। अच्छा ही था, पता नहीं इसे किस तरह लिया जाता। फिर हमने मुंह का पानी गले से भीतर गटकते हुए अपनी नम आंखों को सहलाया । एक गिलास भर पानी पीया। अभद्र न लगे इसलिये हम उस कार्य का उल्लेख नहीं कर रहे हैं जिसे हम रात में एक दो बार उठ कर कर चुके थे।

जल दिवस पर दिन भर चर्चाओं में जल प्लावन हुआ। जल ही जीवन है, पर क्या जिनके लिये जलन ही जीवन है वे इस न को हटा सकेंगे? डॉक्टर कहते हैं आप की आंख में सूखापन है, ये दवा डालिये, नम रखिये । वे कहते हैं कुदरत ने आंख में आंसू की थैली अलग रखी है और पढ़ने लिखने देखने घूरने के लिये जो नमी चाहिये उसकी थैली अलग है । उसका पानी अलग है। भला जिस बदन में दिन रात पानी का ही बोलबाला है उसमें पानी भी अलग अलग किस्म के? इतनी बारीकी? पर है। वैसे हमारे भीतर जलमार्ग ही तो है जिससे सारा आवागमन हो रहा । ये जहाजरानी उद्यम ना हो तो हम ही ना हों। नौ महीने मां के पेट में खूब गुड़क गुड़क की हमने जल के घर में, आंखें मींच कर। बाहर दुनिया के जलसाघर में आ कर रूखे सूखे जग में देखा, पानी और जीवन में रेस लगी है। दुख में आंखें पानी में, सुख में छलकी आंखें पानी से। तभी न अथर्ववेद में कहा गया - आपो हि स्था मयो भवा। अपा याने जल जीवन का स्रोत माना गया।

मगर हमें लगता है जीवन में जो चीज सबसे ज्यादा खास होती है हम उसी की बेकदरी करते हैं। एक बार हम ऐसा दिवस मनायें जब उस दिन हम उस के बिना रह कर देखें। जैसे मां, पिता या महिला दिवस पर उन के एकदम बिना रह कर देखें। जल दिवस पर पानी न पीयें , पानी की तरफ देखें भी नहीं। अरे अभी देखना, कभी न कभी हम संचार दिवस की तरह मोबाईल दिवस भी मनाते दिखेंगे । उसके पूर्वाभ्यास की तरह एक दिन बिना मोबाईल के बिता कर तो देखो भाई। ये सब हम इसलिये नहीं कर सकेंगे कि हम रिश्तों और वस्तुओं का सही उपयोग कम करते हैं, उसे वापरते हैं, अपनाते नहीं। कविता दिवस कवियों ने कोई न कोई कविता लिख कर मनाया, कुछ जिन्होंने नहीं रची उन्होंने आगे किसी कविता के लिये अनुभव संजोये। हम सब ने ही संगीत में बद्ध कविताओं को तो रोज की ही तरह सुना ही, फिल्मी गानों से लेकर गजलों गीतों में।

इस बार जल दिवस की थीम थी ग्लेशियर संरक्षण। हम वहां तो जा नहीं सकते, पर कलेजे की ठंडक और गर्मी दोनों बचा कर रखें, आंखें ठंडी करने में चातुर्य रखें, व्यवहार में ठंडापन ना आने दें। हम किस्मत से ऐसे ग्रह पर आन टपके हैं जहां जीवन के लिये टोटल गुड ही गुड है, वरना किसी ग्रह पर एक धातु के रूप में बेजान पड़े होते। बातें तो बहुत हैं , क्षमा कीजिये विदा लेता हूं, नल जाने वाले हैं। सुबह सुबह जल विभाग मेरे जिम्मे रहता है। जल से मेरा रिश्ता हर दिन नल दिवस के रूप में प्रकट होता है। तालाब तक सैर को जाना और दिन भर पानी पानी रहना अपना रोज का है। बाकी यूं तो प्यास ही है जो जीवन भर तृप्त रखती है। हैप्पी मृगतृष्णा डे।

वैश्विक व्यवस्था में नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरता भारत

आर्थिकी

डॉ. रघुवीर चारण

लेखक शोधार्थी हैं।

दुनिया में वैश्विक तनाव चरम पर है यूरोप से लेकर मिडिल ईस्ट तक पूरा विश्व भू राजनीतिक संकट से जूझ रहा था इसी बीच अमेरिका की टैरिफ वॉर ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को और प्रतिस्पर्धी बना दिया वैश्विक व्यापार युद्ध से अर्थव्यवस्था के साथ पूरा वैश्वीकरण प्रभावित हुआ इन मुद्दों के मध्यनजर इस बार का रायसीना डायलॉग काफ़ी चर्चा में रहा ।

मौसम के बढ़ते पारे के साथ अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों के तनाव की गर्मागर्मी के बीच मंच सजा दिल्ली के रायसीना हिल में और मौका था रायसीना डायलॉग के दसवें संस्करण का तीन दिन चले इस बहुपक्षीय सम्मेलन में भारत ने दुनिया को शांति का संदेश दिया हर वर्ष की भांति इस बार रायसीना संवाद का आयोजन नई दिल्ली में हुआ वर्ष 2016 से शुरू हुए इस वैश्विक सम्मेलन का ये दसवाँ संस्करण था इस संवाद की थीम कालचक्र -लोग,शांति और ग्रह थी अर्थात् समय का चक्र पूरी दुनिया के लिए चुनौतीपूर्ण है रायसीना डायलॉग का आयोजन विदेश मंत्रालय और विचारक समूह ऑब्ज़र्वर रिसर्च फाउंडेशन के सहयोग से किया जाता है इस वर्ष 125 देशों के तक़रीबन 3500 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिसमें विभिन्न देशों के राजनीति विशेषज्ञ,सैन्य प्रमुख, प्रौद्योगिकी क्षेत्र के दिग्गज,शिक्षाविद और पत्रकार प्रमुख विचारक संस्थाओ के प्रतिनिधि सहित लगभग 20 देशों के विदेश मंत्री भी शामिल हुए विगत कुछ वर्षों से इस सम्मेलन की महता को देखते हुए विदेशी प्रतिनिधियों की संख्या में काफ़ी इजाफ़ा हुआ जो भारत की उभरती वैश्विक प्रभुता को रेखांकित करता है ।

रायसीना डायलॉग भू राजनीतिक और भू आर्थिक मामलों की दृष्टि से एक अहम सम्मेलन है जहाँ भारत अपने वैश्विक नीतियों के दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है तथा अंतर्राष्टीय समुदाय में आपसी सहयोग और शांति के लिए प्रतिबद्ध है एवं विश्व के प्रमुख मुद्दों के समाधान के लिए वैश्विक मंच प्रदान करता है ।

रायसीना संवाद के इस संस्करण में निम्न विषयों पर कई सार्थक चर्चाएं हुई जैसे राजनीति बाधित, हरित त्रिकोण समाधान ,डिजिटल ग्रह, सैन्यवादी व्यापारवादः व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला × विनिमय दर की लत, बाघ की कहानीः एक नए योजना के साथ विकास को फिर से लिखना और शांति में निवेश आदि उपरोक्त सभी विषयों पर विचार विमर्श किया गया इस मंच के माध्यम से विभिन्न देशों ने वैश्विक टकराहट,व्यापारिक हितों एवं तकनीकी क्रांति से उभरी

चुनौतियों को दुनिया के सामने रखा तथा भारत की वैश्विक नीति की सराहना की ।

भारत अपनी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और समृद्ध बोद्धिक विरासत के साथ एक वैश्विक ज्ञान केंद्र के रूप में प्रगतिशील है इस वैश्विक मंच पर भारत ने आतंकवाद, कश्मीर मुद्दे पर पश्चिमी देशों के दोहरे मानदंड और हिन्द प्रशांत क्षेत्र में अपनी भूमिका को प्रमुखता से रखा तथा वैश्विक व्यवस्था की निष्पक्षता पर बल दिया अपनी टिप्पणी में विदेश मंत्री ने एक 'मजबूत और निष्पक्ष' संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की वकालत की और ऐसे संगठनों की समीक्षा का सुझाव दिया भारत ने दुनिया में व्यापारिक गतिविधियों में तकरार को चिंताजनक बताया ।

बहुआयामी चर्चाओं के इस मंच पर विश्व के नेताओं ने मुक्त व्यापार को वैश्वीकरण के हित में बताया और राष्ट्रहित से ऊपर उठकर वैश्विक हितों की रक्षा का आह्वान किया दुनिया ने भारत के वैश्विक शांति के मार्ग को प्रशस्त बताया और इसकी तारीफ़ की इस डायलॉग में यूक्रेनी विदेश मंत्री,अमरीकी खुफिया निदेशक और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री काफ़ी सुर्खियों में रहे अमरीकी खुफ़िया निदेशक तुलसी गबार्ड ने भारत की समृद्ध संस्कृति और लोकतांत्रिक मूल्यों की सराहना की इस वैश्विक मंच पर दुनिया ने जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों की भी चर्चा हुई ।

बहरहाल जलवायु परिवर्तन जैसे प्रमुख मुद्दे पर वैश्विक मंचों पर व्यापक चर्चा तो होती है परन्तु धरातल पर इसका क्रियान्वयन नहीं होता क्योंकि विकसित देश विकासशील देशों पर नियम थोपते हैं और खुद इसे गंभीरता से नहीं लेते जिससे भविष्य में प्रकृतिजनित त्रासदियाँ और बढ़ेगी ।

भारत हमेशा से ही एक शांतिपूर्ण देश रहा है, जो सभी देशों के साथ परस्पर सम्मान और सहयोग के लिए प्रयासरत रहा है। रायसीना डायलॉग के आयोजन से भारत वैश्विक नेतृत्व के रूप में उभरा है अंतराष्ट्रीय नीति निर्माण में सक्रिय भागीदारी आपसी सहयोग को दर्शाती है इस संवाद से आर्थिक विकास को गति मिलेगी भारत विभिन्न क्षेत्रों में हमेशा निष्पक्ष रहा उसी शांति मार्ग की दुनिया क़ायल है तकनीकी युग में हमारा देश प्रगतिशील है वैश्विक नवाचारों में भारत की भागीदारी अहम् है।

ताप्ती मेगा प्रोजेक्ट के तहत बुनिघाट के ताप्ती रिवर पर बनेगा बैराज

बैतूल। कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग विपिन वामनकर ने बताया कि ताप्ती मेगा प्रोजेक्ट के तहत गुनीघाट के ताप्ती रिवर में कंक्रीट के सॉलिड वाल बनाई जाएगी। परियोजना के अंतर्गत कोई भी गांव प्रभावित नहीं होगा। इसमें पुनर्वास की भी आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने बताया कि ताप्ती मेगा प्रोजेक्ट महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश सरकार का संयुक्त उपक्रम है। पूर्व में बड़ा जलाशय बनाएं जाने का महाराष्ट्र और एमपी के क्षेत्र में सिंचाई का प्रोविजन था, लेकिन समय के साथ में इस चीज को चेंज किया गया और वर्तमान में गुनिघाट में ताप्ती रिवर में कंक्रीट के सॉलिड वाल बनाई जाएगी और उस सॉलिड वॉल की जल भराव क्षमता 8 एमसीएम है। इस प्रोजेक्ट के तहत महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश का कोई भी गांव, बस्ती का पुनर्वास नहीं किया जाएगा। 8 एमसीएम पानी का भराव सिर्फ नदी में ही रहेगा। उन्होंने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य बारिश का पानी बैराज में जमा करके दोनों साइड से केनाले निकाली जाएगी। महाराष्ट्र और एमपी का क्षेत्र को रिचार्ज करने का उद्देश्य है।

कलेक्टर ने स्पॉन्सरशिप बच्चों के लिए 2 करोड़ 62 लाख 32 हजार की राशि की स्वीकृत

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मिशन वात्सल्य, बाल आशीर्वाद और पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन स्कीम में स्पॉन्सरशिप बच्चों के लिए अक्टूबर 2024 से मार्च 2025 तक के लिए 2 करोड़ 62 लाख 32 हजार की राशि की स्वीकृत की है। यह राशि हितग्राहियों एवं उनके संरक्षक के संयुक्त डीबीटी लिंक बैंक खाते में जमा की होगी। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री गौतम अधिकारी ने बताया कि मिशन वात्सल्य अंतर्गत गैर संस्थागत सेवा यथा स्पॉनसरशिप के लिए 931 बच्चों को अक्टूबर 2024 से मार्च 2025 तक प्रतिमाह 4 हजार के मान से 6 माह के लिए तथा बाल आशीर्वाद के स्पॉनसरशिप में 158 बच्चों को अक्टूबर 2024 से मार्च 2025 तक प्रतिमाह 4 हजार के मान से 6 माह के लिए एवं पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन स्कीम अंतर्गत स्पॉनसरशिप के 4 हितग्राहियों को अक्टूबर 2024 से मार्च 2025 तक प्रतिमाह 4 हजार के मान से 6 माह के लिए 2 करोड़ 62 लाख 32 हजार की राशि स्वीकृत की गई है। यह राशि हितग्राहियों एवं उनके संरक्षक के संयुक्त डीबीटी लिंक बैंक खाते में जमा की जा रही है।

मां कर्मा जयंती पर दिनभर चला सेवा गतिविधियों का आयोजन

बैतूल। युवा साहू समाज सेवा संगठन जिला बैतूल के तत्वाधान में आज साहू समाज की अधिष्ठात्री देवी भक्त शिरोमणि मां कर्मा जयंती पर दिनभर सेवा गतिविधियों के आयोजन किये गये। सुबह 8 बजे श्रीकृष्ण मंदिर बैतूल गंज में गोपाल साहू, अजय जीतपुरे, डीआर साहू, संजयसाहू, ममता साहू, रितिका साहू ने भगवान श्री कृष्ण को विशेष भोग लगाकर भक्त शिरोमणि मां कर्मा जयंती पर होने वाली सेवा गतिविधियों का शुभारंभकिया। सुबह 8.30 बजे जिला अस्पताल में 235 लोगों को अंकुरित आहार का वितरण किया गया। सुबह 10 उड़दन स्थित मातोश्री वृद्ध आश्रम में वृद्ध जनों को दैनिक जीवन में आने वाली आवश्यक सामग्रियों का वितरण किया गया। सुबह 11.30 जिला चिकित्सालय बैतूल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें समाज के लोगों ने रक्तदान किया सभी रक्तदाताओं को 18 मई दिन रविवार को भक्त शिरोमणि मां कर्मा सम्मान प्रदान किया जाएगा। दोपहर 12 बजे जिला चिकित्सालय स्थित भोजन शाला में भगवान श्री कृष्ण को दाल ,चावल, सब्जी ,रोटी ,खीर,पापड़ का भोग लगाकर मरीजो के परिजनों को भरपेट भोजन खिलाया गया। दोपहर में पापमोचनी एकादशी के अवसर पर भगवान श्री कृष्ण का विशेष पंचामृत अभिषेक किया गया। एकादशी महोत्सव समारोह के बाद भक्त शिरोमणि मां कर्मा की चित्रों का विमोचन किया गया।

क्षत्रिय राजपूत समाज ने शिवाजी चौक पर फूंका रामजीलाल सुमन का पुतला

बैतूल। राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा वीर योद्धा महाराणा सांगा पर की गई टिप्पणी के विरोध में क्षत्रिय महासभा में आक्रोश व्याप्त हो गया है। सोमवार को क्षत्रिय महासभा अखंड भारत के नेतृत्व में बड़ी संख्या में समाजजन शिवाजी चौक पर एकत्र हुए और नारेबाजी करते हुए रामजीलाल सुमन का पुतला दहन किया। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व ठाकुर जगदीश सिंह राघव ने किया। उन्होंने कहा कि महाराणा सांगा जैसे राष्ट्रभक्त योद्धा को गद्दार कहना पूरे देश का अपमान है। उन्होंने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा, जिसमें मांग की गई कि रामजीलाल सुमन के इस बयान पर तत्काल कड़ी कार्रवाई हो। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि महाराणा सांगा ने अपने जीवन में कई युद्ध लड़े और मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने शरीर पर अस्सी गंभीर घाव सहे। ऐसे वीर पुरुष का अपमान देशवासियों को स्वीकार नहीं है। शिवाजी चौक पर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अगर रामजीलाल सुमन अपने बयान पर माफी नहीं मांगते और सरकार उनके खिलाफ उचित कार्रवाई नहीं करती, तो पूरे देश में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन में ठाकुर जगदीश सिंह राघव के साथ बड़ी संख्या में क्षत्रिय समाज के लोग शामिल हुए। उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह की बयानबाजी करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। पुतला दहन के बाद समाजजनों ने संकल्प लिया कि महाराणा सांगा के सम्मान की रक्षा के लिए वे हर संभव कदम उठाएंगे। इस अवसर पर दौलत सिंह, सौरभ सिह, गीतेश सिंह चौहान, सौर्य प्रताप सिंह सिया सिंह, सौरभ किलेदार, तीरथ सिंह, मयूर सिंह , दिनेश सिंह, राजा सिह,बीएस चौहान संतोष सिंह,राजेश सिह सहित समाज के लोग उपस्थित थे।

ट्रैक्टर दिलाने के नाम पर किसानों से ठगी, एसपी से की शिकायत

बैतूल। जिले के भैंसदेही तहसील के कवड़ीढाना गांव के रहने वाले राजेश विजयकर पर ट्रैक्टर दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने का आरोप लगा है। करीब 20 से 25 ग्रामीण एसपी कार्यालय पहुंचे और शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि राजेश विजयकर ने उन्हें भरोसा दिलाया था कि वह उनके लिए ट्रैक्टर की व्यवस्था करेगा और उसकी किश्तें भी खुद चुकाएगा। इसी बहाने उसने ग्रामीणों को सोनालिका ट्रैक्टर शोरूम भैंसदेही ले जाकर उनके आधार कार्ड, ऋण पुस्तिका और अन्य दस्तावेज ले लिए।

अब तक प्रशासन ने निजी स्कूल संचालकों को जारी नहीं किए आदेश

किताबों व गणवेश के लिए गाइडलाइन तय नहीं, कटेगी पालकों की जेब

बैतूल। एक अप्रैल से स्कूलों का नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो रहा है। लेकिन इससे पहले प्रशासन ने निजी स्कूल संचालकों की बैठक लेकर उनको इस बात के लिए ताकीद नहीं किया कि वह स्कूलों से पाठ्य पुस्तक व गणवेश का वितरण नहीं करेंगे। उक्त दोनों सामग्रियों को बेचने के लिए चुनिंदा बुकसेलरों से भी अनुबंध नहीं करेंगे। इस बेपरवाही के चलते इस साल भी अभिभावकों की जेब पर स्कूलों का अलग से आर्थिक बोझ रहेगा। दरअसल गणवेश व पुस्तकों को लेकर मापदण्ड तय नहीं होने का फायदा उठाकर निजी विद्यालय जहां एनसीईआरटी के साथ अन्य पब्लिसर्श की पुस्तकों का संचालन कर रहे हैं। वहीं अलग-अलग गणवेश का बोझ कम नहीं हुआ है। आगामी शिक्षण सत्र प्रारंभ होने के पहले से ही अभिभावकों को इस बात की चिंता सताने लगी हैं। उल्लेखनीय है कि फीस शुल्क के साथ पुस्तक व गणवेश के संबंध में आवश्यक जानकारी पोर्टल के साथ सूचना पटल पर चस्पा करने के निर्देश हैं। इसके बाद भी अधिकांश निजी विद्यालय पुस्तकों के पब्लिशर्स के साथ उनके दामों को लेकर जानकारी अपडेट नहीं करते हैं। इसके बाद शिक्षण सत्र प्रारंभ होने के साथ ही

अभिभावकों पर अन्य पब्लिशर्स के पुस्तकों के साथ अलग-अलग गणवेश का पत्र भेज देते हैं। इससे परिजनों पर आर्थिक बोझ पड़ता है।

स्कूलों में शुरू हुई प्रवेश प्रक्रिया- निजी स्कूलों में एडमिशन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी हैं, ऐसे में सभी स्कूल अभिभावकों को रिझाने में लगे हैं। कुछ स्कूल तो सीमित सीट बताकर पहले आओ पहले पाओ जैसे प्रचार भी कर रहे हैं। बता दे कि जिले में 300 से अधिक निजी विद्यालयों का संचालन हो रहा है। इनमें कुछ स्कूल एमपी बोर्ड और कुछ सीबीएसई बोर्ड के हैं। ऐसे में अधिक से अधिक बच्चों का एडमिशन स्कूल में करवाने के लिए स्कूल के शिक्षक भी मैदान में उतर आए हैं। स्कूल प्रबंधन द्वारा शिक्षकों को वार्डों में सर्वे तक के लिए भेजा जा रहा है। डोर-टू-डोर एडमिशन के लिए दस्तक दी जा रही है।

कई स्कूलों ने पोर्टल पर अपलोड नहीं की फीस – फीस वृद्धि को लेकर जारी गाइड लाइन का पालन करने के निर्देश सभी विद्यालयों को दिए गए हैं। शिक्षा विभाग की मानें तो गाइड लाइन जारी होने के बाद अधिकांश विद्यालय शुल्क निर्धारण के नियमों का पालन कर रहे हैं। कई विद्यालय ऐसे हैं जिन्होंने अभी तक पोर्टल पर फीस का उल्लेख नहीं किया है। गाइड लाइन के अनुसार विद्यालयों में फीस वृद्धि 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। फीस वृद्धि की जानकारी डीईओ कार्यालय में प्रारूप 3-1 में देना अनिवार्य किया गया है। विद्यालयों को 10 से 15 प्रतिशत तक फीस वृद्धि के लिए जिला शिक्षा कार्यालय में आवेदन करना होगा। इसके बाद कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति से अनुमति के बाद ही फीस वृद्धि कर सकेंगे। इसके अलावा 15 प्रतिशत से अधिक फीस वृद्धि के लिए राज्य स्तरीय समिति से स्वीकृति के लिए आवेदन अनिवार्य है।

ऊंचे रेट में मिलती है स्कूल ड्रेस

शहर में कई स्कूल ऐसे हैं जो गणवेश को ऊंचे रेट पर स्कूल से ही बेच रहे हैं। साल दर साल गणवेश के रेट में 100 से 200 रुपए का इजाफा किया जा रहा है। कुछ स्कूलों ने बाजार में गणवेश की दुकानों से टाईअप कर लिया है। उन दुकानों पर पर तीन से चार स्कूलों की गणवेश महंगे रेट पर बेची जा रही हैं। 15 साल के बच्चे की स्कूल टी शर्ट 300 रुपए कीमत की होती है, उसके 400 रुपए से लेकर 600 रुपए वसूल किए जा रहे हैं। हल्के कपड़े के ट्राउजर भी इसी प्रकार महंगे रेट पर बेचे जा रहे हैं। गणवेश की दुकान पर मौजे, पानी की बॉटल से लेकर लंच बॉक्स भी बेचने की व्यवस्था है। कहने का तात्पर्य है कि खुले बाजार से कोई अभिभावक अपने बच्चों के लिए गणवेश नहीं खरीद सकता। इसके अलावा बताया गया कि निजी पब्लिशर्स की पुस्तकें काफी महंगी होती है। जिसकी वजह से अभिभावकों को चार से पांच हजार रुपए पुस्तक कॉपियों पर खर्च करना पड़ते हैं।

इनका कहना है –

अभी मैं परीक्षाओं से फ्री हुआ हूं। जल्द ही पुस्तकों व गणवेश के संबंध में आदेश जारी किये जायेगे। वैसे शिक्षा विभाग द्वारा फीस निर्धारण को लेकर गाइड लाइन जारी की है।

– अनिल कुशवाह, डीईओ, बैतूल

ओवरलोडिंग एवं यातायात नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध चलाया विशेष चेकिंग अभियान

डंपरों में अतिरिक्त लगाई रिप, पट्टी को कटर मशीन से हटाया

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर जिला परिवहन अधिकारी, जिला खनिज अधिकारी एवं थाना यातायात प्रभारी ने ओवरलोडिंग वाहनों एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध विशेष चेकिंग अभियान चलाया। खनिज अधिकारी मनीष पालीवाल ने बताया कि भारत-भारती के पास चेकिंग पॉइंट बनाकर वाहनों की जांच की गई। ऐसे वाहन जिनकी सामान्य बॉडी पर अतिरिक्त रिप/पट्टी लगाकर रेत, गिट्टी या अन्य खनिज पदार्थों का परिवहन किया जा रहा था, उन्हें रोककर जांच की गई। इस दौरान गैस कटर मशीन से ऑन द स्पॉट अतिरिक्त लगाई गई रिप, पट्टी को हटाने की कार्रवाई की गई। ओवरलोडिंग करने वाले वाहनों पर मोटर व्हीकल अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई एवं 2 वाहनों पर खनिज अधिनियम में कार्यवाही की गई है। अभियान के दौरान वाहन मालिकों एवं संचालकों को दी निर्देश दिए है कि स्वेच्छा से अपने वाहनों से अतिरिक्त रिप/पट्टी हटा लें, अन्यथा किसी भी स्थान पर चेकिंग कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर की कार्रवाई- चेकिंग अभियान के दौरान यातायात थाना प्रभारी द्वारा हाई-सिक्योरिटी नंबर प्लेट न होने एवं रॉन्ग साइड चलने वाले वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। इस दौरान यातायात नियमों का पालन करने की समझाइए दी गई। दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनने तथा तीन सवारी न बैठाने की हिदायत भी दी। इसके अलावा चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने की सलाह दी गई। यह अभियान यातायात नियमों के पालन एवं सडक़ सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया गया, ताकि सडक़ दुर्घटनाओं एवं अवैध ओवरलोडिंग पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

बुजुर्ग से मोबाईल छीनकर भागने वाला आरोपी गिरफ्तार

1 लाख 5 हजार रुपये का मशरूका जप्त

बैतूल। बुजूर्ग से मोबाइल छीनकर भागने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 1 लाख 5 हजार रुपये का मशरूका भी जप्त किया है। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार फरियादी बलवंतराव कावडकर पिता किशना कावडकर उम्र 78 साल निवासी वार्ड नं. 02 अर्जुन नगर गंज बैतूल ने थाना कोतवाली बैतूल में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 23 मार्च के दोपहर करीब 2 बजे कोठी बाजार से अपने घर अर्जुन नगर पैदल पैदल जा रहा था कि तभी नागदेव मंदिर के पास खंजनपुर पहुंचा तो अज्ञात काली पल्सर मोटर सायकल पर सवार एक लडका उम्र करीब 20-21 साल का गाड़ी से आया और लिफ्ट देने के बहाने से मेरे जेब में रखा वीवो कंपनी का काले रंग का मोबाईल फोन जबरदस्ती छीनकर भाग गया।

पुलिस ने रिपोर्ट पर धारा 304 (2) बीएनएस का कायम किया जाकर विवेचना में लिया गया।

कोतवाली पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी विनय पवार पिता दशरथ पवार उम्र 19 साल निवासी दादा धुनी वाले मंदिर के सामने मालवीय वार्ड खंजनपुर से उक्त घटना के संबंध में पूछताछ किया। जिसके द्वारा घटना को कारित किया जाना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी के पास से वीवो वाय 28 मोबाईल कीमती करीबन 12 हजार, घटना प्रयुक्त मोटर सायकल काले रंग की पल्सर 220- एमपी 04 क्यूएल 9690 कीमती करीबन 95 हजार जप्त किया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी रविकांत डेहरिया, उनि पंचम सिंह उईके, प्र आर विनय पांडे, आरक्षक नितिन चौहान, आरक्षक शिवकुमार, आरक्षक दुर्गेश वर्मा की सराहनीय भूमिका रही।

परमंडल की महिलाओं ने कहा, पानी दो, नहीं तो गद्दी छोड़ दो

पानी को लेकर एक माह में दिया तीसरी बार ज्ञापन

मुलताई। परमंडल की महिलाओं ने आज एक माह से तीसरी बार अधिकारियों को पानी की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में तत्काल समस्या हल कराने की मांग की गई। ज्ञापन सपना मुलताई पहुंची महिलाओं ने कहा कि महिलाओं ने जब पहली बार ज्ञापन दिया था तब कोई कार्यवाही नहीं की गयी, दूसरी बार जब ज्ञापन दिया गया था तब 5 ट्यूबवेल के अधिग्रहण के आदेश जारी किये गये, लेकिन ग्रामवासियों को आज तक पानी नहीं मिला। आज जब जनसुनवाई के दौरान तीसरा ज्ञापन सौंपा गया, तब एसडीओ पी एच ई ने बताया कि उन्होंने दो बोर के अधिग्रहण हेतु किसानों से सहमति प्राप्त कर ली है तथा एक बोर से टंकी तक पाईप लाइन पहुंचा दी है। इस पर डॉ सुनीलम ने कहा कि दोनों बोर की पाईप लाइन टंकी से जोड़ी जाए क्योंकि बिजली पूरे समय नहीं रहती है इस कारण ग्रामवासियों को पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं हो सकेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यदि पाईप लाइन से पानी आवश्यकता अनुसार नहीं पहुंचता है तो अन्य अधिग्रहित बोर से पानी के टैंकर से ग्रामवासियों को पानी पहुंचाने की व्यवस्था की जाए। जिस पर अधिकारियों ने सहमति व्यक्त की । जब ग्रामीण स्थाई समाधान के लिए अड़ गए तब अधिकारियों ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत हर गांव में पाईप लाइन पहुंचाने की योजना पूरी होने पर अगले 1 वर्ष में परमंडलवासियों को वर्धा बांध से पानी मिलने लगेगा। लेकिन गांव वालों ने कहा कि 3 किलोमीटर दूर बुंडाला बांध से पानी मिलना चाहिए जैसा मुलताई नगर वासियों को हरदोली बांध से पानी दिया जाता है। महिलाओं ने नारा लगाया कि महिलाएं पानी दो, पानी दो, नहीं तो गद्दी छोड़ दो !

अपर कलेक्टर ने जनसुनवाई में नागरिकों की सुनीं समस्याएं

बैतूल। अपर कलेक्टर राजीव नंदन श्रीवास्तव ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में कुल 106 आवेदन प्राप्त हुए। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया। उन्होंने प्राप्त आवेदनों का समय सीमा में निराकरण किए जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में मुलताई तहसील के चिखली खुर्द निवासी संदीप भूमरकर ने राशन कार्ड बनाए जाने संबंधी आवेदन दिया। जिस पर अपर कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने मुलताई तहसीलदार को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास बैतूल में कार्यरत दुर्गा हिवराये ने आठ माह से वेतन नहीं मिलने की शिकायत की। जिस पर अपर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए।

अवैध निर्माण पर दिए जांच के आदेश- जनसुनवाई में बैतूल मुख्यालय के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी राखी पाटिल ने पड़ोसी द्वारा किए जा रहे अवैध निर्माण की शिकायत की। जिस पर अपर कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने तहसीलदार बैतूल को प्रकरण की जांच के निर्देश दिए। बैतूल तहसील

के ग्राम सुरगांव निवासी ज्ञानराव भूषण ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिए जाने संबंधी आवेदन दिया प्राप्त आवेदन पर अपर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। बैतूल मुख्यालय के शंकर वार्ड के निवासियों ने वार्ड में नाली बनाए जाने के लिए आवेदन दिया। जिस पर अपर कलेक्टर ने नगर पालिका के संबंधित अधिकारियों को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए।

पीएम आवास योजना की तीसरी किस्त दिलाए जाने की मांग- जनसुनवाई में भैंसदेही तहसील के ग्राम आमला निवासी शिवराम उईके ने प्रधानमंत्री आवास योजना की तीसरी किस्त दिलाए जाने की मांग की। जिस पर अपर कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने संबंधित जनपद सीईओ को जांच कर प्रकरण का निराकरण किए जाने की निर्देश दिए। आमला तहसील के चोपना निवासी परसराम ने निजी स्वामित्व की भूमि पर कब्जा तथा उचित कार्रवाई किए जाने के संबंध में आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर अपर कलेक्टर ने घोड़ाडोंगरी तहसीलदार को आवश्यक कार्रवाई की निर्देश दिए।

परिषद बैठक में हंगामा कांग्रेस-बीजेपी पार्षद आमने-सामने

● निरस्त नहीं हो सका हरदौली बांध, मछली पालन का ठेका

बैतूल/मुलताई। नगर पालिका परिषद बैठक नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गड़ेकर की अध्यक्षता मे नगर पालिका सभाकक्ष में संपन्न हुई, किंतु इस बार परिषद बैठक में जमकर हंगामा हुआ। कांग्रेस और बीजेपी के पार्षदों में तीखी बहस एवं नोक झोंक हुई और इसके साथ ही हरदौली बांध में मछली पालन के ठेके को निरस्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिल सकी। इस प्रस्ताव को गिराने में कांग्रेस का साथ दो भाजपा पार्षदों ने भी दिया। हालांकि गरमा-गरम परिषद बैठक शोर शराबे के बावजूद परिषद बैठक में रखे गए महत्वपूर्ण 7 प्रस्ताव में से 6 प्रस्ताव पारित हो गए। इस परिषद बैठक में कुल 45 प्रस्ताव रखे गए थे। इसी बीच पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष एवं पार्षद नीतू परमार एवं भाजपा पार्षद शिल्पा शर्मा के बीच तीखी नोंक झोंक हुई। हरदौली बांध में मछली पालन ठेका यथावत रखने के पक्ष में सुरेश पौनीकर और ठेका निरस्त करने के लिए भाजपा पार्षद रितेश विश्वकर्मा में जोरदार बहस हुई। नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गड़ेकर ने ठेका निरस्त करने के पक्ष में अपना मत देते हुए कहां की हमारी जवाबदारी नगर की जनता के स्वास्थ्य के साथ भी होना चाहिए यह ठेका पूर्व नगर

पालिका ने नियम विरुद्ध दिया था। जब बैठक का एजेंडा ही नहीं निकाला गया था तो प्रस्ताव नियम अनुसार कैसे हो सकते हैं। यहां उल्लेखनीय है कि हाल ही में नगर में फैली डायरिया बीमारी के चलते हरदौली बांध के जल की हुई जांच में हानिकारक तत्व पाए गए थे तभी से नागरिकों एवं पार्षदों द्वारा बांध में मछली पालन ठेका निरस्त कीए जाने की मांग उठने लगी है। नागरिकों का मानना है कि यह नगर की जनता के स्वास्थ्य जुड़ा मामला है इसलिए ठेके से जुड़े संपूर्ण मामले की निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए।

17 दुकानों के प्रतिनिधियों ने परिषद बैठक में रखी अपनी बात- इस परिषद बैठक में जो महत्वपूर्ण 7 प्रस्ताव रखे गए थे उनमें 17 दुकानों के विस्थापन किये जाने के संबंध में विचार एवं निर्णय संबंधी प्रस्तावित शामिल था। इसे देखते हुए आज 17 दुकान के प्रतिनिधियों ने परिषद बैठक में जाकर अपनी बात रखी, उन्होंने कहा कि हम दुकान खाली करने के लिए तैयार है किंतु हमें ऐसी जगह चिन्हित कर दुकान बनाकर दी जाए, जहां से हम अपना व्यवसाय चला कर परिवार का भरण पोषण कर सके। नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गड़ेकर ने कहा कि हमने जिला कलेक्टर को पुनर्वास के लिए जमीन उपलब्ध कराने के लिए लिखा है। जमीन उपलब्ध होते ही पुनर्वास की योजना बनाई जाएगी। परिषद की बैठक में दिए गए एक प्रस्ताव में यह भी तय किया गया है कि श्रीरामचंद्र मंदिर ट्रस्ट भूमि, जहां मेला लगता है, नगर पालिका मंदिर ट्रस्ट को 60 हजार रूपये साल का मंदिर रखरखाव के लिए देगी। इसके अलावा नगरीय क्षेत्र के विभिन्न वार्डों की पुरानी पेयजल की पाईप लाईन बदले जाने, खरसाली फिल्टर प्लांट के विद्युत सप्लाई हेतु डेडिकेटेड फिडर के प्रयोजन के संबंध मे भी प्रस्ताव पारित किया गया। इसके साथ ही ग्रीष्म कालीन सत्र को दृष्टिगत रखते हुए नवीन नल कनेक्शन आवंटन पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव पारित किया गया ।

मध्य भारत में बढ़ रहा है संघकार्य, शताब्दी वर्ष में घर-घर संपर्क करेगा संघ

शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में चलने वाली शाखाओं की संख्या में वृद्धि, 3384 शाखाएं हो रही संचालित

भोपाल। बेंगलुरु में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में संपूर्ण देश के संघकार्य का वृत्त प्रस्तुत किया गया, जिसके अनुसार देश के विभिन्न भागों सहित मध्यभारत प्रांत में भी तेजी से संघकार्य बढ़ रहा है। शताब्दी वर्ष को ध्यान में रखकर कार्यकर्ताओं ने मंडल और बस्ती तक संघकार्य को पहुँचाने के प्रयास किए हैं। वर्तमान समय में मध्यभारत प्रान्त में संघ की रचना से महानगरीय एवं ग्रामीण जिलों के 2129 स्थानों पर 3384 शाखाएं चल रही हैं। जिनमें महानगर में 37 स्थानों पर 490 शाखाएं एवं ग्रामीण जिलों में 2092 स्थानों पर 2894 शाखाएं चल रही हैं। इसके साथ ही 617 स्थानों पर 849 साप्ताहिक मिलन के रूप में संघकार्य चल रहा है। शताब्दी वर्ष में प्रान्त की प्रत्येक बस्ती और मंडल तक संघ के कार्यविस्तार का लक्ष्य है। इसके अलावा संघ के स्वयंसेवकों द्वारा समाज के साथ मिलकर सेवा बस्तियों में सेवाकार्य भी चलाये जा रहे हैं। वर्तमान में शाखाओं द्वारा 213 सेवा उपक्रम किए जा रहे हैं। संघ ने जिन बस्तियों को सेवा बस्ती के रूप में चिह्नित किया है, ऐसी 715 सेवा बस्तियों में से 232 में शाखाएं चल रही हैं, 445 बस्तियों में सेवा कार्यों का संचालन किया जा रहा है और 380 सेवा बस्तियों में स्वयंसेवकों का नियमित संपर्क है।

संघकार्य की समझ बढ़ाने एवं कार्यकताओं के व्यक्तित्व विकास की दृष्टि से संघ प्रतिवर्ष संघशिक्षा वर्गों को आयोजन करता है। तीन दिवस के 144 प्रारंभिक वर्ग आयोजित किए गए, जिनमें 8332 स्वयंसेवक शामिल हुए। 7 दिवस की अवधि के 44 प्राथमिक वर्गों में 3571 स्वयंसेवक शामिल हुए। इसी तरह, 15 दिन के संघ शिक्षा वर्ग 1178, कार्यकर्ता विकास वर्ग-1 में 230 और कार्यकर्ता विकास वर्ग-2 में 35 स्वयंसेवकों ने संघकार्य का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

मध्य भारत प्रांत संघचालक पांडेय बोले- संस्कार क्षरण से बढ़ा लव जिहाद

आजकल के बच्चे-बच्चियां बड़ों से कैसे व्यवहार करते हैं, रात को क्या देखते हैं? यह सब हमारे संस्कारों पर निर्भर करता है। संस्कारों के क्षरण के कारण पति-पत्नी वॉट्सऐप एप पर बात करते हैं। बड़ों की अवज्ञा करते हैं। संयुक्त परिवार की भावना के बजाय एकल परिवार को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसका परिणाम बच्चियों पर पड़ रहा है। लव जिहाद जैसी घटनाएं इसी का परिणाम हैं। इसे नहीं रोका गया तो लव जिहाद के साथ आनंदधाम जैसी संस्थाएं भी तेजी से बढ़ेंगी।मंगलवार को विश्व संवाद केंद्र में मीडिया से चर्चा करते हुए संघ के मध्य भारत प्रांत संघचालक अशोक पांडेय ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि बच्चों को अगर संस्कारित कर दिया तो सारा समाज ठीक से चलेगा।

मध्यभारत में किए गए उल्लेखनीय प्रयास: मध्यप्रदेश के विदिशा विभाग की 56 व्यवसायी शाखाओं के प्रयासों का उल्लेख प्रतिनिधि सभा की बैठक में सरकार्यवाह के वृत्त में आया है। विदिशा की चयनित 56 व्यवसायी शाखाओं ने अपने शाखा क्षेत्र का सामाजिक अध्ययन कर वहाँ की प्रमुख समस्याओं को चिन्हित किया और समाज की सज्जनशक्ति को साथ लेकर उनके समाधान हेतु पहल की। इन शाखाओं ने नशा मुक्ति, सरकारी विद्यालय में बच्चों की कम उपस्थिति, गो-संरक्षण, नर्मदा जी का संरक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक पर कार्य, फलदार वृक्षों की कमी, लव जिहाद, धार्मिक जागृति का अभाव, संस्कार शिक्षण कमी, अस्वच्छता, मोबाइल गेमिंग, हिंदू परिवार पलायन, इस तरह से 103 प्रकार की समस्याएं चिन्हित की। इस प्रकार के कार्य मध्यभारत के अन्य विभागों में भी चल रहे हैं। राजगढ़ में सामाजिक समरसता, भोपाल में सेवा कार्य एवं हिन्दू पलायन, ग्वालियर में सिंगल यूज प्लास्टिक एवं नशा मुक्ति, नर्मदापुर में पर्यावरण संरक्षण इत्यादि विषयों को लेकर विशेष प्रयत्न किए जा रहे हैं।

शताब्दी वर्ष पर प्रांत में संघ की योजना - विजयादशमी-2025 उत्सव = अधिकतम स्थानों पर गणवेश में कार्यक्रम। मण्डल, खंड, नगर स्तर पर संचलन भी निकालने की योजना है।

व्यापक गृह संपर्क = प्रत्येक गाँव एवं बस्ती के प्रत्येक घर तक संपर्क करने की योजना है। पूर्व में वर्ष 2000 में डॉ. केशव हेडगेवार की जन्मशती एवं श्रीराममंदिर के लिए श्रद्धा निधि संग्रह के लिए भी स्वयंसेवक समाज में व्यापक स्तर पर संपर्क कर चुके हैं।

हिन्दू सम्मेलन : सभी मंडलों और बस्तियों में हिन्दू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे, जिसमें बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक के जीवन में एकता और सद्भाव, राष्ट्र के विकास में सभी का योगदान और पंच परिवर्तन में प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी, का संदेश दिया जाएगा।

सद्भाव बैठक : खंड/नगर स्तर पर सामाजिक सद्भाव बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिसमें एक साथ मिलकर रहने पर बल दिया जाएगा। बैठकों का उद्देश्य सांस्कृतिक आधार और हिन्दू चरित्र खोए बिना आधुनिक जीवन जीने का संदेश देना होगा। उन्होंने महाकुम्भ का उदाहरण दिया, जहां सभी क्षेत्रों के लोग एक साथ आए थे।

नागरिक गोष्ठी: हिंदुत्व, पंच परिवर्तन, राष्ट्रीयता, एक राष्ट्र एक जन एक संस्कृति, इस प्रकार के विषयों पर नागरिक संवाद आयोजित किए जाएंगे। जिला स्तर पर आयोजित इन कार्यक्रमों में राष्ट्रीय विषयों पर सही विमर्श स्थापित करने और आज प्रचलित गलत विमर्श को दूर करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

युवाओं से संवाद : युवाओं के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 15 से 30 वर्ष की आयु के युवाओं के लिए राष्ट्र निर्माण, सेवा गतिविधियों और पंच परिवर्तन पर केंद्रित कार्यक्रम किए जाएंगे।

पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होलकर के 300वें जयंती वर्ष पर प्रांत में किए गए कार्यक्रम : पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होलकर के 300वें जयंती वर्ष को मनाने का निर्णय पिछले वर्ष प्रतिनिधि सभा में लिया गया था। इस संदर्भ में वर्षभर में प्रांत में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रांत के शासकीय 16 जिलों में 273 व्याख्यान आयोजित किए गए, जिनमें कुल 32,404 लोग उपस्थित हुए। इनमें मातृशक्ति की संख्या 14,487 और बंधु 17,917 उपस्थित रहे। विद्यालय और महाविद्यालय में कुल 496 स्थानों पर प्रबोधन/व्याख्यान के कार्यक्रम आयोजित हुए। मुरैना में मंदिरों की स्वच्छता का अभियान लिया गया।

नर्मदा परिक्रमा की पूर्णाहुति पर गुरुदेव शांडिल्य का संस्मरण संवाद आज

भोपाल। करूणाधाम आश्रम के पीठाधीश्वर गुरूदेव पंडित सुदेश शांडिल्य महाराज बुधवार 26 मार्च शाम 5.30 बजे श्री नर्मदा मंदिर सभागार तुलसी नगर में सामाजिक संवाद करेंगे। यह प्रसंग हाल ही उनकी नर्मदा परिक्रमा की पूर्णाहुति के निमित्त प्रेरक संस्मरणों पर एकाग्र होगा। इस अवसर पर श्री नर्मदा सेवा समाज द्वारा पूज्य गुरूदेव का सारस्वत अभिनंदन भी किया जाएगा। इस गरिमामय समारोह का संचालन वरिष्ठ कला समीक्षक एवं उद्घोषक विनय उपाध्याय करेंगे। समारोह के समन्वयक सुशील बिल्लोरे ने बताया कि शांडिल्यजी महाराज की यह दूसरी नर्मदा परिक्रमा थी जो 6 दिसंबर 2024 से शुरू होकर 28 फरवरी 2025 को सम्पन्न हुई। गुरूदेव ने इस सामूहिक पदयात्रा को ''नर्मदा-सामाजिक-समरसता परिक्रमा'' का नामकरण करते हुए लोक जीवन के लिए अनुकरणीय आदर्श प्रस्तुत किया है। इस परिक्रमा में साथ रहे पदयात्री समाजसेवी नारायण जोशी ने इस आयोजन को सांस्कृतिक परस्परता के लिए महत्वपूर्ण बताया है। भोजप्रसादी के साथ कार्यक्रम सम्पन्न होगा।

गर्भवती पत्नी व पति की एक्सीडेंट में मौत, ट्रक ने 10 मीटर तक दोनों को घसीटा

तीन साल की बेटी अनन्या बची, चालक फरार

कटनी। पत्नी गर्भ से थी। घर में खुशियां आने वाली थीं। पति तकलीफ होने पर कटनी में डॉक्टर को दिखाने जा रहा था। दोनों बाइक से बड़वारा थाना क्षेत्र के मझगवां गांव के पास पहुंचे ही थे कि एक बेलगाम ट्रक ने दोनों को टक्कर मारकर घसीटता हुआ काफी दूर तक ले गया। पति-पत्नी दोनों की मौत हो गई है। उनके साथ बैठी तीन साल की बेटी बच गई है।

प्रदेश में 27-31 मार्च के बीच लू चलने के आसार

भोपाल (नप्र)। ओले-बारिश का दौर थमते ही मध्यप्रदेश में गर्मी बढ़ गई है। पिछले 2 दिन से अधिकतम तापमान 39 डिग्री के पार है। रतलाम में सोमवार को लगातार दूसरे दिन पारा 39 डिग्री या इससे अधिक रहा। नर्मदापुरम में भी गर्मी के तेवर काफी तीखे रहे। मौसम विभाग ने 27 से 31 मार्च के बीच लू चलने की संभावना भी जताई है।खासतौर पर मालवा-निमाड़ यानी, इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में लू का असर रह सकता है। जिनमें रतलाम, उज्जैन, खरगोन, खंडवा, धार आदि शामिल हैं। इन शहरों में अभी तापमान 38 से 39 डिग्री के बीच है। मौसम विभाग के अनुसार, सामान्यतः दिन का तापमान 40 डिग्री से अधिक या सामान्य से 4.6 डिग्री तक अधिक हो तो हीट वेव यानी लू की स्थिति मानी जाती है।

दिन के पारे में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी- मौसम विभाग ने दिन के तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी होने की संभावना जताई है। ऐसे में पारा 40 डिग्री के पार पहुंच सकता है। सोमवार को भी कई शहर गर्म रहे। रतलाम में सबसे ज्यादा 39.2 डिग्री दर्ज किया गया। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 35.5 डिग्री, इंदौर में 36.8 डिग्री, ग्वालियर में 36.1 डिग्री, उज्जैन में 37.5 डिग्री और जबलपुर में तापमान 35 डिग्री दर्ज किया गया।

झूठी एफआईआर दर्ज करने का आरोप, पत्रकारों ने किया प्रदर्शन

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल में पत्रकार कुलदीप सिंगोरिया की गिरफ्तारी को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। कटारा हिल्स थाने में शहर के अनेक पत्रकारों ने मंगलवार को प्रदर्शन करते हुए कुलदीप के खिलाफ दर्ज प्रकरण को झूठा बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। दरअसल, फरियादी शेख अकील ने 20 मार्च को टीला जमालपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि एक सफेद बोलेरो गाड़ी ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। इसके बाद गाड़ी में सवार कुछ लोगों ने उन्हें धमकाते हुए 50,000 रुपए की मांग की और मारपीट की। यह मामला कुलदीप सिसोदिया के नाम पर दर्ज था। पत्रकारों का आरोप है कि एफआईआर में पत्रकार कुलदीप सिंगरोलिया का नाम दर्ज किया गया, कुलदीप सिंगरोलिया के पास ना तो वह गाड़ी है और ना ही वे घटनास्थल पर मौजूद थे।

अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी ज्योति चौहान को रेडक्रॉस से मिली सहायता, कलेक्टर ने सौंपा 1.50 लाख का चेक

धार । धार जिले की अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी कुमारी ज्योति चौहान को कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने रेडक्रॉस सोसायटी से 1.50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। ज्योति ने जनसुनवाई में उपस्थित होकर मदद का आग्रह किया था। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने उन्हें 1.50 लाख का चेक सौपा। ज्योति चौहान, जो चार बार भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं, मध्य प्रदेश की पहली महिला खिलाड़ी हैं जिन्होंने यूरोप के क्लब दिनामो ब्यूवर्ग से खेली है। अभ्यास के दौरान उन्हें बाएं पैर के घुटने में गंभीर चोट आई थी, जिसके बाद बड़ौदा के स्टर्लिंग हॉस्पिटल में उनकी सर्जरी की गई।

आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उन्होंने सहायता की मांग की थी। उनकी इस जरूरत को देखते हुए कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने रेड क्रॉस सोसायटी से 1.50 लाख रुपए की मदद मंजूर की। ज्योति चौहान ने इस सहायता के लिए प्रशासन और कलेक्टर श्री मिश्रा का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह सहयोग उनके खेल करियर को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

एम्स भोपाल में मेडिकल एजुकेशन टेक्नोलॉजीज पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के नेतृत्व में, सेंटर फॉर मेडिकल एजुकेशन टेक्नोलॉजी , एम्स भोपाल द्वारा 25 और 26 मार्च 2025 को सीनियर रेजिडेंट्स के लिए मेडिकल एजुकेशन टेक्नोलॉजीज पर एक विशेष 2-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सीनियर रेजिडेंट्स को मेडिकल शिक्षा के मूल सिद्धांतों और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर प्रशिक्षण प्रदान करना है। जिससे वे स्नातक और स्नातकोत्तर चिकित्सा छात्रों के शिक्षण और प्रशिक्षण में अधिक प्रभावी योगदान दे सकें।

दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए, प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने इस पहल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, मेडिकल शिक्षा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल की नींव है। एसआर-एमईटी जैसे कार्यक्रम सीनियर रेजिडेंट्स को आवश्यक शिक्षण कौशल से सुसज्जित करते हैं, जिससे चिकित्सा प्रशिक्षण की समग्र गुणवत्ता में सुधार होता है। हमारा लक्ष्य शिक्षकों और छात्रों दोनों के लिए एक प्रभावी और सहयोगी शिक्षण वातावरण बनाना है। उन्होंने अपने अनुभव को भी साझा करते हुए कहा कि सीनियर रेजिडेंट्स, संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में स्नातक और स्नातकोत्तर चिकित्सा छात्रों के परामर्श और व्यावहारिक प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के समर्थन में प्रस्ताव

धार। एक राष्ट्र एक चुनाव की अवधारणा के समर्थन में भोज उत्सव समिति के द्वारा नियमित सत्याग्रह के पश्चात एक प्रस्ताव पारित किया गया ।इस प्रस्ताव में भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को अधिक प्रभावी पारदर्शी और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु भोज उत्सव समिति के माध्यम से आज ज्ञापन राष्ट्रपति को प्रेषित किया। इस प्रस्ताव के प्रस्तावक भोज उत्सव समिति के अध्यक्ष सुरेश जलोदिया समर्थन समिति के महामंत्री सुमित चौधरी ने किया। इस अवसर पर गोपाल शर्मा, राजेश शुक्ला, हेमंत दौराया ,प्रवीण गोधा, कीर्तिमान पटेल ,रवि सिकरवार, जगदीश राठौर, निलेश परमार, बंटी राठौर, निखिल जोशी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और मातृशक्ति उपस्थिति रही ।

माँ नर्मदा विचार कुंभ में होगा सरदार पटेल प्रतिमा का अनावरण : सचिन दवे

नर्मदा विकास यात्रा व सरदार पटेल पुरुस्कार की घोषणा की जाएगी

धार। इस वर्ष भी माँ नर्मदा विचार कुंभ का आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष सरदार पटेल 150 वी जन्म जयंती समिति द्वारा कुक्षी मे यह कार्यक्रम होगा। आयोजन 25 अप्रैल कुक्षी में रहेगा । आयोजन समिति के संरक्षक पर्यावरणविद् सचिन दवे ,समिति अध्यक्ष व जनभागीदारी अध्यक्ष ओमप्रकाश पाटीदार ,कार्यक्रम संयोजक महेंद्र सेप्टा, यात्रा सहसंयोजक नीतिश राजपुरोहित ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गुजरात स्टैचू ऑफ यूनिटी से कुक्षी तक मां नर्मदा विकास यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा केवडीया से प्रारंभ होगी जो कवाट ,छकतला ,अलीराजपुर, तालनपुर से होकर नगर में शोभायात्रा के रूप में निकलेगी जिसमें मां नर्मदा का कलश रहेगा यात्रा कुक्षी शासकीय महाविद्यालय पर संपन्न होगी । जहां 11 बजे लोह पुरुष सरदार पटेल की प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा । प्रतिमा की ऊंचाई

6:30 फिट है। कार्यक्रम में सरदार पटेल के नाम से 5 क्षेत्र में सामाजिक परिवर्तन हेतु पुरस्कार भी दिए जाएंगे , जो पर्यावरण संरक्षण , सामाजिक समरसता नागरिक अनुशासन संयुक्त परिवार संचालन स्वदेशी विषय पर रहेंगे। जहां उपस्थित जन समुदाय को मां नर्मदा को प्रदूषण मुक्त के लिए संकल्प भी दिलाया जाएगा । विगत वर्ष यह आयोजन धरमपुरी में किया गया था जहां क्रांतिकारी बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थापित की गई थी एवं मां नर्मदा को प्रदूषण मुक्त के लिए संकल्प दिलाया गया था। कुक्षी में महाविद्यालय का नाम सरदार पटेल के नाम से किया गया था नर्मदा शुद्धिकरण हेतु अभियान 2013 से ही माँ नर्मदा अध्ययन यात्रा के माध्यम से प्रारंभ किया था जो नर्मदा के उद्गम अमरकंटक से लेकर नर्मदा के संगम भरूच तक अनवरत चल रहा है जिसके परिणाम भी आ रहे है।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव 30 अप्रैल को सर्व ब्राह्मण समाज भव्य रूप से मनाएगा

गौ पूजन से शुरू होगा दो दिवसीय भगवान परशुराम जन्मोत्सव

धार। सर्व ब्राह्मण समाज धार की कार्यकारणी की बैठक का आयोजन सोमवार को देव होटल में किया गया । इस बार भी भव्य रूप से दो दिन का भगवान परशुराम जन्मोत्सव मनाया जाएगा। 29 अप्रैल को प्रातः प्रकृति वात्सल्य गौशाला धार में गौ पूजन से शुरू होगा शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम होगे। 30 अप्रैल को प्रातः 9 बजे धारेश्वर में 151 जोड़े द्वारा रुद्राभिषेक किया जाएगा । दोपहर 12 बजे परशुराम मंदिर बसंत बिहार में आरती की जाएगी, शाम को 5 बजे धारेश्वर से लालबाग भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी । बैठक में सभी ने अपने विचार रखे और ये संकल्प लिया कि समाज के हर उस व्यक्ति की मदद की जाएगी जिसको आवश्यकता है समाज का आर्थिक मदद कोष बनाया जाएगा साथ ही मांगलिक परिसर बनाने पर भी विचार किया गया।

इस अवसर पर सर्व ब्राह्मण समाज के जिलाध्यक्ष विश्वास पांडे, कार्यकारी जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र जोशी, संयोजक डॉ अशोक शास्त्री, यात्रा प्रभारी ऋषि भार्गव उपाध्यक्ष गोटू शुक्ला, सचिव प्रवीण शर्मा, समाज जन ज्ञानेन्द्र त्रिपाठी, सचिन दवे संजय शर्मा, प्रेम रावल ,संजय बाजपेई , करुण जोशी, अशोक व्यास ,श्रीकांत द्विवेदी ,बृजकिशोर बोड़ा ,अमित मंडलोई ,राजेश शर्मा , अभिषेक चतुर्वेदी , राजा शर्मा, विजय दवे, नमन रावल, पिंटू रावल ,जितेंद पंड्या ,पीयूष जोशी, डॉ तरुण जोशी , नीलेश जोशी , नितिन शर्मा, शांतिलाल शर्मा , सूर्या दुबे आदि समाज जन उपस्थित थे।

अंत में सर्व ब्राह्मण समाज के जिला उपाध्यक्ष गोटू शुक्ला का बावीसा ब्राह्मण समाज की राष्ट्रीय कोर कमेटी में नियुक्त होने पर स्वागत किया गया। जानकारी संजय शर्मा ने दी।

भारत-भूमि की सनातन संस्कृति में जन्म होना हमारा सौभाग्य : मुख्यमंत्री

बड़े नगरीय निकायों में 10-10 हजार गौ-वंश की क्षमता वाली बनाई जाएगी गौ-शालाएं,58 करोड़ 93 लाख के विकास कार्यों का किया लोकार्पण और भूमि-पूजन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत-भूमि की सनातन संस्कृति में जन्म होना हमारा सौभाग्य है। मेरा परम सौभाग्य है कि प्रदेश के सबसे बड़े गौ-अभयारण्य में जन्मदिन पर साधु-संतों एवं गौ-माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। ये हमारी संस्कृति को न केवल पुष्पित-पल्लवित करते है, बल्कि हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देते है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सालरिया में गौ-माताओं को शुद्ध घी से बने 6100 लड्डूओं का भोग लगाया। उन्होंने सालरिया में 58 करोड़ 93 लाख रूपये के निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 186 स्व-सहायता समूहों को 6 करोड़ 12 लाख रूपये का बैंक ऋण वितरण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्या-पूजन कर उपहार भेंट किये। उन्होंने जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को जन्मदिन पर गौ-अभयारण्य सालरिया (सुसनेर) में एक वर्षीय वेदलक्षणा महा-महोत्सव अन्तर्गत गौ-कथा उपसंहार कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ हवन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गौ-माता में हमारे 33 कोटि देवी-देवता विराजमान है, गौ-माता अपने आंचल से हमको जीवन देती है, यह प्रकृति के समान हमको जीना सिखाती है। उन्होंने कहा कि जो गाय पालते हैं, वे सभी गोपाल हैं। जिन घरों में गाय का कुल है, वह गोकुल हैं। हमें हर घर को गोकुल बनाना है। उन्होंने कहा कि जिस गांव में कोई विवाद न हों, जहां हर घर में गौ-माता हों, ऐसे गाँव को हम वृंदावन बनाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने हर-घर में गौवंश बढ़ाने का निर्णय लिया है, इसके लिये निरंतर कार्य कर रही है, गौ-शालाओं को आहार अनुदान की राशि 20 रूपए से बढ़ाकर 40 रुपए की गई है। जो व्यक्ति अपने घर में 10 से अधिक गौवंश पालेगा, उसे भी सरकार अनुदान राशि देगी। इसके साथ ही पशुपालकों को दुग्ध उत्पादन पर प्रति लीटर पर 5 रूपए बोनस दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश में दूध उत्पादन का लगभग 9 प्रतिशत आपूर्ति मध्यप्रदेश द्वारा की जाती है। नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड से दुग्ध उत्पादन 20 प्रतिशत तक बढ़ाकर प्रदेश को देश में अग्रणी राज्य बनाया जाएगा। प्रदेश की सभी बड़ी नगर निगम में 10-10 हजार गौवंश की क्षमता वाली गौशालाओं बनाई जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में विकास के नये कीर्तिमान स्थापित हो रहे है। प्रधानमंत्री के 'ज्ञान पर ध्यान' के मंत्र को साकार करने के लिये प्रदेश सरकार कृत-संकल्पित होकर मिशन मोड में काम कर रही है। प्रदेश में हर एक किसान के खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचाने का कार्य सरकार कर रही है। आने वाले समय में पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) लिंक परियोजना से जिले के कृषकों को भी सिंचाई के लिए भरपूर पानी उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में वर्ष-2028 में होने वाला सिंहस्थ का आयोजन ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व होगा। आयोजन की भव्यता में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार ने प्रदेश के समग्र विकास के लिये रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव (आरआइसी) के साथ ही पहली बार राजधानी में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) का आयोजन किया। इससे क्षेत्रीय विकास के साथ प्रत्येक क्षेत्र के युवाओं के लिये स्थानीय स्तर पर रोजगार के नवीन अवसर सृजित करने का अभिनव प्रयास सफलतापूर्वक किया है। इनसे प्रदेश में 30 लाख 77 हजार करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगर-मालवा जिले के विकास में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जाएगी। चहुमुँखी विकास कर आगर-मालवा को प्रदेश का नम्बर-1 जिला बनाएंगे। उन्होंने कहा कि आगर मे उद्योगों के लिय अपार संभावनाएँ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गौ-अभयारण्य सालरिया में कुण्डालिया डेम से पानी लाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने जन्मदिन पर गौ-अभयारण्य में रोपा आँवले का पौधा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जन्मदिन पर गौ-अभयारण्य सालरिया में आँवले का पौधा रोपा। किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पौध-रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सभी अपने जन्मदिन, शादी-सालगिरह एवं अन्य विशेष अवसर पर पौध-रोपण कर उसकी सुरक्षा एवं संरक्षण कर पेड़ के रूप में विकसित करने का संकल्प लें। सालरिया में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ 1008 पौधों का गौ-अभयारण्य परिसर में रोपण किया गया।

कार्यक्रम में पशुपालन मंत्री श्री लखनसिंह पटेल, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कौशल विकास एवं रोजगार विभाग श्री गौतम टेंटवाल, विधायक श्री हरदीपसिंह डंग, विधायक आगर श्री मधु गेहलोत, विधायक सुसनेर श्री भैरूसिंह बापू, केन्द्रीय संरक्षण श्री गोधाम महातीर्थ पथमेड़ा पूज्य परमहंस प्रज्ञानानंद महाराज, पूज्य स्वामी गोपालानन्दजी सरस्वती महाराज, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मुन्नी चौहान, जिलाध्यक्ष श्री ओम मालवीय, जनपद अध्यक्ष श्रीमती पिंकी राजपाल, पूर्व विधायक श्री गोपाल परमार, श्री लालजीराम परमार, श्रीमती रेखा रत्नाकर, श्री फूलचन्द्र बेदिया, श्री लालजीराम मालवीय, श्री मुरलीधर पाटीदार, श्री विक्रम सिंह राणा, श्री बद्रीलाल सोनी, श्री चिंतामण राठौर, श्री गोविन्द सिंह बरखेड़ी, श्री सोनू गेहलोत, श्री दिलीप सकलेचा, श्री प्रेम मस्ताना, श्री कैलाश कुम्भकार, गजेन्द्र सिंह चंद्रावत, श्री भेरूसिंह चौहान, श्री बाबूलाल यादव एवं श्री जितेन्द्र सिंह उपस्थित रहें। अहमदाबाद गुजरात के समाजसेवी एवं दानदाता चिमनभाई अग्रवाल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रतीक चिन्ह भेंट किया।

मंदिरम्

66

श्री अरुणाचलेश्वर मंदिर, तमिलनाडु

श्री अरुणाचलेश्वर मंदिर विश्व भर में भगवान शिव का सबसे बड़ा मंदिर, 'पंच भूत स्थलों' में एक, 217 फुट ऊँचा 'राज गोपुरा'। अरुणाचलेश्वर मंदिर एक पंच भूत स्तंभ है जिसका प्रतिनिधित्व अग्निलिंगम द्वारा किया जाता है जो भगवान शिव को समर्पित है और यह तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई में स्थित है। भगवान शिव को अन्नामलाईयार या अरुणाचलेश्वर के रूप में पूजा जाता है और उन्हें लिंगम द्वारा दर्शाया जाता है, उनकी मूर्ति को अग्निलिंगम कहा जाता है। उनकी पत्नी पार्वती को उन्नामलाई अम्मन के रूप में दर्शाया गया है। अरुणाचलेश्वर मंदिर को अन्नामलाईयार मंदिर भी कहा जाता है) एक हिंदू मंदिर है जो देवता शिव को समर्पित है, जो भारत के तमिलनाडु में तिरुवन्नामलाई शहर में अरुणाचल पहाड़ी के आधार पर स्थित है। पीठासीन देवता को तेवरम में सम्मानित किया जाता है, जो तमिल शैव विहित कृति है जिसे नयनार के नाम से जाने जाने वाले तमिल संत कवियों ने लिखा था और 7वीं शताब्दी में पाडल पेट्रा स्थलम के रूप में वर्गीकृत किया गया था। 9वीं शताब्दी के शैव संत कवि मणिक्कवसागर ने यहीं तिरुवेम्पावई लिखी थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नवाचारों से बेहतर हुआ प्रदेशवासियों का जीवन : प्रधानमंत्री मोदी

केंद्रीय गृहमंत्री शाह, केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान, उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी सहित कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों और संगठन पदाधिकारियों ने दी बधाई

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को उनके जन्म दिवस की बधाई देते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा किए गए नवाचारों से प्रदेशवासियों का जीवन बेहतर हुआ है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि यही कामना है कि ईश्वर मुख्यमंत्री डॉ. यादव को दीर्घ और स्वस्थ जीवन प्रदान करें और वे जन सेवा में इसी प्रकार निरंतर सक्रिय रहे। केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जन्म दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की डबल इंजन सरकार विकास और सुशासन के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने बाबा महाकाल से मुख्यमंत्री डॉ. यादव के उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन की मंगलकामना की है। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने बधाई संदेश में कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश विकास और उन्नति के नव शिखर को स्पर्श करे, यही कामना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सहित केंद्रीय मंत्रीगण का आभार माना।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, गुजरात के

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल, दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, सहित विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री ने बधाई दी। मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर, खजुराहो सांसद श्री विष्णु दत्त शर्मा, श्री हितानंद शर्मा सहित कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों और संगठन पदाधिकारी ने जन्म दिवस की बधाई दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के जन्म दिवस पर मुख्यमंत्री निवास पर उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा एवं श्री राजेंद्र शुक्ल, मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, श्री तुलसीराम सिलावट, श्री गोविंद सिंह राजपूत, श्री विश्वास सारंग, श्री एंदल सिंह कंषाना, श्री इंदर सिंह परमार, श्री राकेश शुक्ला, श्रीमती कृष्णा गौर, श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, विधायकगण, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना, आयुक्त जनसंपर्क डॉ. सुदाम खाड़े सहित वरिष्ठ अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं, सामाजिक और स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा, मिष्ठान वितरण और वाद्ययंत्रों के माध्यम से अपनी प्रसन्नता और उत्साह का प्रकटीकरण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को गदा और कृपाण भी भेंट की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कार्यकर्ताओं ने विशाल पुष्प हार पहनाकर जन्म दिन की बधाई दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिन की शुरुआत मुख्यमंत्री निवास स्थित मंदिर में सपरिवार पूजा अर्चना कर की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवास स्थित गौशाला में सर्व सुखदायिनी गौ माता की सेवा कर प्रदेशवासियों के कल्याण के लिए प्रार्थना की तथा विकसित मध्यप्रदेश के सभी संकल्प पूर्ण करने के लिए गौ माता से आशीर्वाद प्राप्त किया।

मैहर में अर्धनग्न अवस्था में जनसुनवाई में पहुंचे बुजुर्ग

सतना (नप्र)। मैहर में मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान एक अलग मामला सामने आया। 85 वर्षीय बुजुर्ग अर्धनग्न अवस्था में पहुंच गए। कलेक्टर रानी बाटड ने तत्काल उनकी स्थिति को संज्ञान में लेते हुए मदद की पहल की।

कलेक्टर ने तुरंत बुजुर्ग को कुर्सी पर बैठाया और उनके लिए पानी की व्यवस्था करवाई। इसके बाद अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह ने फौरन कपड़े मंगवाए और बुजुर्ग को नया कुर्ता-पायजामा पहनाया गया।

बुजुर्ग सुंदर लाल तिवारी रामनगर तहसील के हिनौती गांव के रहने वाले है। उन्होंने बताया कि उनके पड़ोसी ने उनके साथ मारपीट की थी। इस घटना को लेकर उन्होंने रामनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पुलिस की उदासीनता से आहत होकर वे इस हाल में कलेक्टर कार्यालय पहुंचे।

पानी में बाघिन 'रॉ' की अठखेलियां

उमरिया (नप्र)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बढ़ते तापमान का असर वन्य जीवों पर दिख रहा है। खितौली जोन में सोमवार को पर्यटकों को 7 वर्षीय बाघिन 'रॉ' गर्मी से बचने कुंभी कछार नाले में पानी में मस्ती करती नजर आई।

जिले में पिछले कुछ दिनों से तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। 24 मार्च को अधिकतम तापमान 34.5 डिग्री सेल्सियस तक

पहुंच गया। गर्मी से बचने के लिए बाघों समेत अन्य वन्य प्राणी जल स्रोतों के आसपास अपना ठिकाना बना रहे हैं।

सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी आरएस सिकरवार ने बताया है कि मांसाहारी वन्य प्राणियों को गर्मी का असर ज्यादा होता है, इसलिए बाघ और बाघिन पानी में बैठना पसंद करते हैं। खितौली जोन बाघिन 'रॉ' का क्षेत्र है, जहां पर्यटक सफारी के दौरान वन्य जीवों का दीदार करते हैं। टाइगर रिजर्व में पर्यटक न केवल प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेते हैं, बल्कि बाघ, बाघिन और उनके शावकों को देखने का अवसर भी पाते हैं। इस बार बाघिन 'रॉ' के पानी में मस्ती करने का दृश्य पर्यटकों ने अपने कैमरे में कैद कर लिया।

पुष्पगुच्छ भेंट कर सीएम को शुक्ल ने जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मुख्यमंत्री निवास में जन्मदिन के शुभ अवसर पर मंगलमय शुभकामनाएं दीं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के स्वस्थ, सुदीर्घ और सफल जीवन की कामना की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सतत विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास सभी क्षेत्रों में प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दूरदर्शी नीतियों से मध्यप्रदेश आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

नक्सली एनकाउंटर पर गोंडवाना पार्टी का प्रदर्शन

कहा- पुलिस ने निर्दोष को बना दिया नक्सली, पत्नी बोली- पानी की बोतल लेकर घर से निकले थे

मंडला (नप्र)। मंडला में 9 मार्च को हुए नक्सली एनकाउंटर के विरोध में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने मंगलवार को प्रदर्शन किया। यहां मृतक हीरन सिंह की पत्नी विरसो बाई समेत अन्य परिजन और पार्टी के पदाधिकारी शामिल हुए।इस मामले को कांग्रेस ने विधानसभा में भी उठाया था।

इस दौरान पूर्व राज्यसभा सांसद अजय प्रताप सिंह, प्रदेश अध्यक्ष कमलेश तेकाम, राष्ट्रीय सचिव अमान सिंह पोर्ते और राधेश्याम काकोडिया समेत कई पदाधिकारी शामिल हुए। इस दौरान मृतक परिवार के लिए 5 करोड़ रुपये मुआवजे की मांग की।मंडला में हुए एनकाउंटर के विरोध में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने प्रदर्शन किया।

पुलिस ने नहीं बताई थी मृतक की पहचान- एनकाउंटर के दूसरे दिन 10 मार्च को पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया था कि 9 मार्च को हॉक फोर्स और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस दौरान एक नक्सली मारा गया। दो को गिरफ्तार किया गया। तब पुलिस ने मृतक की पहचान नहीं बताई थी। बाद में उसकी पहचान ग्राम खटिया के लसरे टोला निवासी हीरन परते के तौर पर हुई।

पत्नी बोली - 50 लाख रुपए मुआवजा और नौकरी दी जाए- हीरन की पत्नी विरसो बाई ने बताया कि पति की दिमागी हालात ठीक नहीं थी। हीरन सिंह घर से पानी की बोतल लेकर निकले थे। 13 मार्च को पुलिस ने शव की बम्हनी बंजर अस्पताल में शिनाख्त के लिए बुलाया।

पुलिस ने उसे बताया है कि नक्सली-पुलिस मुठभेड़ के बीच पहुंच जाने से हीरन सिंह को गोली लगी है। मेरे पांच बच्चे हैं। उनके जीवन यापन के लिए 50 लाख रुपए मुआवजा और सरकारी नौकरी दी जाए।

आरएसएस के स्कूल में तोड़फोड़, दस्तावेज जलाए

शहडोल के सरस्वती शिशु मंदिर में भारत माता पूर्व राष्ट्रपति की तस्वीरें फेंकी

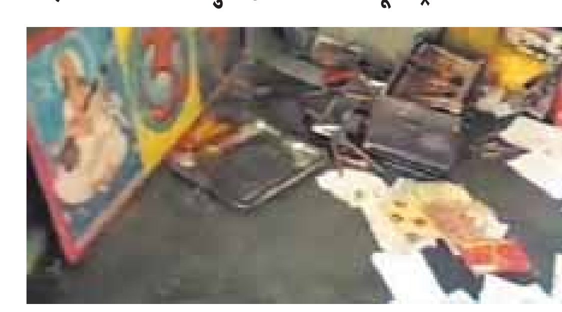

शहडोल (नप्र)। शहडोल के सरस्वती शिशु मंदिर में अज्ञात बदमाशों ने तोड़फोड़ कर दी। दरवाजे तोड़े। रजिस्टर को जला दिया। भारत माता, अखंड भारत, सरस्वती देवी, पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम और डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की तस्वीरें नीचे फेंक दी। पंखों समेत दूसरे सामान को भी नुकसान पहुंचाया। मामला ब्यौहारी के अखेटपुर में सोमवार रात का है। सरस्वती शिशु मंदिर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के आनुषांगिक संगठन विद्या भारती का हिस्सा है। थाना प्रभारी अरुण पांडे ने बताया कि प्राचार्य की शिकायत पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। स्कूल में सीसीटीवी कैमरे नहीं होने के कारण मदद नहीं मिल पा रही है।

भ्रष्ट डॉक्टरों,स्वास्थ्यकर्मियों पर केस चलाने की मंजूरी में देरी

लोकायुक्त में दर्ज 55 मामलों में सिर्फ 15 केसों में मिली अभियोजन की स्वीकृति

भोपाल (नप्र)। स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग के डॉक्टरों और कर्मचारियों के खिलाफ लोकायुक्त, ईओडब्ल्यू में दर्ज मामलों में सरकार की ओर से अभियोजन की स्वीकृति देने में सालों का वक्त गुजर रहा है। मार्च 2020 से अब तक लोकायुक्त, ईओडब्ल्यू, सीबीआई, ईडी में स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग के कर्मचारियों के खिलाफ दर्ज मामलों की जानकारी कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने मांगी थी।

डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल ने जयवर्धन सिंह को दिए जवाब में बताया कि ईओडब्ल्यू में 6 मामले दर्ज हुए हैं और लोकायुक्त में 55 मामले पिछले 5 सालों में दर्ज किए गए हैं।

भोपाल में मेडिकल एजुकेशन डिपार्टमेंट के क्लर्क हीरो केसवानी के घर से 85 लाख रुपए कैश मिला था।

5 साल में ईओडब्ल्यू ने 6 केस दर्ज किए, एक में अभियोजन की मंजूरी

आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने पिछले पांच सालों में 6 मामले दर्ज किए। इनमें से सिर्फ एक केस में ही अभियोजन की स्वीकृति मिली। बाकी 5 मामलों में अभी जांच जारी है।

ईओडब्ल्यू में दर्ज 6 मामले

- 25 मई 2021 को सीहोर सीएमएचओ कार्यालय के स्टोर कीपर केबी वर्मा के खिलाफ 420, 120 बी, 201 के तहत केस दर्ज किया गया था। मामले की जांच चल रही है।
- 10 मार्च 2022 को नरसिंहपुर जिला अस्पताल के फार्मासिस्ट अमित तिवारी, और तत्कालीन सिविल सर्जन विजय मिश्रा के खिलाफ 409, 420, 120 बी और भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया था। मामले की जांच चल रही है।
- 15 मार्च 2022 को जबलपुर के नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर डॉ अशोक साहू और उनकी पत्नी प्रोफेसर डॉ तृप्ति गुप्ता के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया था। इस मामले में दोनों आरोपियों की अभियोजन की स्वीकृति मिलने के बाद इस साल 18 फरवरी को चालान पेश किया गया है।
- 26 जुलाई 2022 को भोपाल के चिकित्सा,शिक्षा संचालनालय में सहायक ग्रेड 2 हीरो केसवानी के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने केस दर्ज किया था। मामले की जांच चल रही है। हीरो केसवानी के घर छापेमारी में 85 लाख से ज्यादा कैश जब्त हुआ था। बड़े पैमाने पर प्रॉपर्टी के दस्तावेज मिले थे।
- 14 सितंबर 2022 को सीधी के रामपुर नैकिन सीएचसी के बीएमओ डॉ प्रशांत तिवारी और आउटसोर्स कर्मचारी प्रमोद कुशवाहा के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। अब तक मामला जांच में ही है।
- 16 दिसंबर 2022 को ग्वालियर के रिटायर्ड सर्जन डॉ जेपी गुप्ता के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। मामले में अब तक जांच ही चल रही है।

डॉक्टर रिचा सुसाइड केस में खुलासा

पति का चल रहा था अफेयर, दुखी होकर खुद को लगा लिए थे एनेस्थीसिया के 5 इंजेक्शन

भोपाल (नप्र)। भोपाल में डॉक्टर रिचा पांडे के सुसाइड केस में पुलिस ने उनके पति डॉ. अभिजीत पांडे पर एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस को डॉ. रिचा के वॉट्सएप चैट मिली है। इससे खुलासा हुआ है कि लंबे समय से चल रही घरेलू कलह और पति की बेवफाई से तंग आकर डॉ. रिचा ने अपनी जान दी है।

पुलिस जांच में सामने आया कि डॉ. अभिजीत किसी और महिला के साथ रिश्ते में था। रिचा को इसकी भनक लग गई थी। उन्होंने कई बार पति को समझाने की कोशिश भी की। पति की हरकतों के कारण रिचा तनाव में थी। वॉट्सएप चैट में कई बार पति ने रिचा से कहा था- मर जाओ।

बता दें, शुक्रवार सुबह भोपाल के

शाहपुरा में डॉ. रिचा पांडे (25) का शव उनके घर में मिला था। हाथ पर इंजेक्शन के निशान मिले थे। बॉडी में सस्पेक्टेड पॉइजन पाया गया था। पति उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचा। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर रिचा पांडे की शादी चार महीने पहले सतना के रहने वाले डॉ. अभिजीत पांडे से हुई थी। अभिजीत डेन्टिस्ट है।

प्रेमिका पर खूब खर्चा करता डॉ. अभिजीत- जांच में यह भी सामने आया कि अभिजीत अपनी प्रेमिका पर खूब पैसे खर्च करता था। जब रिचा को यह बात पता चली तो उन्होंने विरोध किया। इसके चलते दोनों के बीच आए दिन झगड़े होने लगे।

पुलिस ने 24 मार्च को रात 10 बजे अभिजीत के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। आरोपी के मोबाइल डेटा और क्लीनिक के सीसीटीवी फुटेज की जांच भी की जा रही है।

एमपीपीएससी प्री एग्जाम-2025 के रिजल्ट पर हाईकोर्ट की रोक

छूट के नाम पर कोटा अभ्यर्थियों का अनारक्षित वर्ग में चयन नहीं करने का आरोप

जबलपुर (नप्र)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने एमपीपीएससी प्री एग्जाम-2025 के रिजल्ट बिना इजाजत घोषित करने पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने भोपाल की ममता देहरिया की याचिका पर सामान्य प्रशासन विभाग और आयोग से 4 हफ्ते में जवाब भी मांगा है। याचिका पर अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद होगी। दरअसल, याचिकाकर्ता ममता देहरिया ने राज्य सेवा परीक्षा-2025 में भाग लिया था। अभ्यर्थी ने परीक्षा फॉर्म जमा करने के बाद हाईकोर्ट में याचिका दायर कर मध्य प्रदेश राज्य सेवा भर्ती परीक्षा नियम-2015 के कुछ नियमों और प्रावधानों को असंवैधानिक बताया था। ये प्रावधान आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों का छूट के नाम पर अनारक्षित वर्ग में चयन बाधित करते हैं।

मुख्यमंत्री ने किया जनसंपर्क विभाग के मोबाइल ऐप का लोकार्पण

सरकार की नीतियों, योजनाओं और समाचारों की त्वरित व सटीक जानकारी सीधे मोबाइल पर होगी प्राप्त

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में जनसंपर्क विभाग द्वारा विकसित मोबाइल ऐप का लोकार्पण किया। इस ऐप से प्रदेशवासियों को सरकार की नीतियों, योजनाओं और महत्वपूर्ण समाचारों की त्वरित व सटीक जानकारी सीधे मोबाइल पर ही प्राप्त हो सकेगी। मोबाइल ऐप पर समाचार, फोटो गैलरी, वीडियो गैलरी, मंत्री परिषद के निर्णय, आलेख, विभिन्न विभागों की वेबसाइट के लिंक, जिलों के समाचार तथा मंत्रिमंडल के सदस्यों, कमिश्नर और कलेक्टर की सूची आसानी से प्राप्त हो सकेगी। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े, संचालक जनसम्पर्क श्री अंशुल गुप्ता तथा सोशल मीडिया विशेषज्ञ उपस्थित थे।

आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. खाड़े ने अवगत कराया कि जनसम्पर्क विभाग के पोर्टल एमपीइंफो.ओआरजी का द्वस्त्रद्धश्व्द्वस्र क्ष्द्धह्यद्भस्र मोबाइल ऐप तैयार किया गया है। मोबाइल ऐप में मुख्यमंत्री के लाइव कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण देखा जा सकेगा।

मुख्यमंत्री एवं मंत्रीगण से जुड़े समाचार सिंगल क्लिक पर ऐप में उपलब्ध होंगे। ऐप पर स्क्रीन रीडर की भी सुविधा दी गई है, जिससे यूजर आसानी से समाचार सुन सकेंगे। उन्होंने बताया कि ऐप में वॉइस सर्च की सुविधा दी गई हे, जिससे यूजर आसानी से आवश्यकता अनुसार कंटेंट सर्च कर सकते हैं।